सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

अंक : 24 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (22 से 28 जून 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

ट्रंप द्वारा पीएम मोदी की तारीफ करना दोनों देशों के रिश्तों को आगे ले जाने जैसा

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पीएम मोदी की प्रशंसा को भारत और अमेरिका संबंधों के लिए अहम माना जा रहा है। फ्रांस में पीएम मोदी के लिए ट्रंप के शब्दों पर गौर फरमाते हुए चिंतन रिसर्च फाउंडेशन के प्रेसिडेंट शिशिर प्रियदर्शी ने कहा कि दो देशों के बीच रिश्ते तो स्ट्रेटेजिक, एनर्जी सिक्योशरिटी, क्रिटिकल मिनरल्सि, टेक्नॉलिजी और डिफेंस पर होते हैं, लेकिन 17 जून जो फ्रांस के एवियन शहर में दोनों देश के नेताओं के बीच जो केमिस्ट्री बनी वो हमें बहुत आगे ले जाने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियदर्शी ने कहा कि दो देशों के

बीच रिश्ते इस बात पर निर्भर करते हैं कि दोनों देशों के नेताओं के आपसी संबंध कैसे हैं। इसके लिए मैं अपने देश के प्रधानमंत्री की सराहना करता हूं जिए प्रकार दुनिया भर के नेताओं के बीच वह अपने आप को और भारत देश को प्रस्तुत करते हैं, वह काबिले-तारीफ है। प्रियदर्शी ने कहा कि यह विचार करके ही देखिए कि ये कितनी बड़ी बात है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति दुनिया भर के नेताओं की मौजूदगी में हमारे पीएम के लिए कहते हैं, ह्लमैं पीएम मोदी का मित्र हूं, उनका सम्मोन करता हूं और उनसे स्नेह रखता हूं। प्रियदर्शी ने कहा कि यही वो संबंध हैं, जो दोनों देशों के रिश्तों को आगे लेकर जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्राइम मिनिस्टर मोदी और प्रेसिडेंट ट्रंप के बीच बाइलेटरल मीटिंग 16 महीने बाद हुई और इससे दोनों देशों के लोगों में काफी उम्मीदें पैदा हुई हैं। वहीं, चिंतन रिसर्च फाउंडेशन की एसोसिएट फेलो बिदिशा भट्टाचार्य ने कहा कि पीएम मोदी और अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के बीच 16 महीनों में पहली बाइलेटरल मीटिंग काफी सफल रही है। बिदिशा ने कहा कि ट्रंप ने मोदी को ह्यदुनिया का सबसे मजबूत वार्ताकारह्ल बताया। उनका यह कहना इस मुलाकात और बातों को काफी सकारात्म क बनाता है। ट्रंप ने कहा है कि वो रक्षा के क्षेत्र भी भारत का सहयोग करेंगे। यह भारत के लिहाज से बहुत ही अहम है। वहीं, फाउंडेशन के वरिष्ठ शोध सलाहकार कर्नल राजीव अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते पर हस्ताक्षर होना एक बेहद स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि पिछले 100 दिनों से न सिर्फ यह क्षेत्र बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही थी। सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक ऊर्जा संकट था, जिसमें तेल और एलपीजी की आपूर्ति भी शामिल है

सीएम योगी पर अखिलेश का तंज....सीएम योगी का चेहरा उतरा हुआ क्यों था?

उत्तर प्रदेश की राजनीति में अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे के कथित घोटाले का मामला सुर्खियों में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे और उनके बयानों के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उन पर सीधा और तीखा हमला बोला है। अखिलेश ने पोस्ट कर लिखा कि मुख्यमंत्री योगी के शारीरिक हाव-भाव, उनके भाषण की शैली और अचानक तय हुए दौरे पर कई सवाल उठाए हैं। सपा प्रमुख अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी के अयोध्या दौरे के बाद कई सीधे सवाल खड़े किए। अखिलेश ने पूछा कि अयोध्या के कार्यक्रमों में सीएम योगी का चेहरा उतरा हुआ क्यों था? उन्होंने लिखा, आवाज ऊंची करने का प्रयास

पूरा था, लेकिन आत्मविश्वास शून्य क्यों था? मुख्यमंत्री योगी के रुदौली और मणिराम दास छावनी में दिए गए बयानों पर सवाल उठाकर सपा प्रमुख अखिलेश ने पूछा कि आज के भाषण में बयान कम और धमकी अधिक क्यों थी? उन्होंने पूछा कि क्या यह कार्यक्रम अचानक बना था या भाजपा की राजनीतिक जमीन बचाने के लिए स्थानीय भाजपा विधायकों और पदाधिकारियों के कहने पर तय किया गया? अखिलेश ने आरोप लगाया कि भौतिक रूप से भ्रमण कर उस एसआईटी (विशेष जांच दल) के काम को प्रभावित करने की कोशिश न की जाए, जो पहले से ही विवादास्पद सदस्यों और कलंकित छवि के कारण शंकाओं के दायरे में है। उन्होंने जनता की मांग का हवाला देकर दूध का दूध, पानी का पानी नहीं, बल्कि सोने का सोना, चांदी की चांदी का हिसाब देने की बात कह दी। इसके पहले सीएम योगी ने अयोध्या में दो अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधकर कहा कि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी जांच के आदेश दिए है, जो पूरी सच्चाई सामने लाएगी। योगी ने कहा, हमारे पूर्वजों को भगवान राम की पवित्र जगह को वापस पाने के लिए 500 साल तक संघर्ष करना पड़ा। हम बस 15 दिन और इंतजार करें। उन्होंने चेतावनी दी कि जो कोई भी बेबुनियाद आरोप लगाएगा, उस पुलिस का नोटिस मिलने पर सबूत देना होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अयोध्या और मंदिर को बदनाम करने की साज़िशों का शिकार न हों। मुख्यमंत्री के बयान पर पलटवार कर अखिलेश ने कहा कि राम मंदिर फंड विवाद ने लोकल व्यापार और पर्यटन को प्रभावित किया है, इसलिए एसआईटी को अपनी जांच की रोजाना जानकारी देनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने तंज कसते हुए मांग की कि किसी के अयोध्या के रिकॉर्ड-तोड़ दौरों की भी एसआईटी से स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।

एक नजर

बांग्लादेश में भगवान राम का अपमान पर भड़का हिंदू समुदाय, निकाला मशाल जुलूस

ढाका (राजधानी चौपाल)।बांग्लादेश में भगवान राम की सबसे ऊंची मूर्ति बनाने का विरोध के खिलाफ ढाका में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। हजारों हिंदुओं ने ढाका में मशाल जुलूस निकाला। यह प्रदर्शन भगवान राम की तस्वीर का कथित अपमान किए जाने के खिलाफ था। कथित अपमान करने वाले लोगों की गिरफ्तारी की मांग की गई। बता दें बांग्लादेश के उत्तरी गाइबांधा जिले के पलाशबाड़ी में भगवान राम की 81 फीट ऊंची मूर्ति को लेकर विवाद है। कुछ दिनों पहले कट्टरपंथियों के विरोध के बाद मूर्ति का निर्माण रोक दिया गया। इस प्रोजेक्ट को चलाने वाली श्री श्रीराधा गोविंद मंदिर समिति का दावा है कि अधिकारियों को धमकियां मिली थीं, जिसके बाद काम को रोका दिया। इस घटना ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को ढाका में हिंदू संगठनों और छात्रों ने शाहबाग चौराहे से मार्च निकाला। जय श्रीराम के नारे लगाए। इस मार्च में भगवान राम की तस्वीर का अपमान करने वालों की गिरफ्तारी और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। वहीं, रंगपुर में पुलिस ने हिंदुओं को प्रदर्शन करने से रोका तो हल्की झड़प भी हुई। बता दें इस महीने की शुरूआत में कुछ लोगों ने गाइबांधा में मूर्ति निर्माण के खिलाफ प्रदर्शन किया था। इस दौरान भगवान राम की तस्वीर पर जूता रखकर उसका अपमान किया। घटना को लेकर केस दर्ज कर लिया गया है। प्रदर्शनाकिरयों ने सरकार पर कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। वहीं प्रदर्शन का आयोजन करने वाले संगठन ने कहा है अगर भगवान राम की मूर्ति का निर्माण फिर से शुरू करने की इजाजत नहीं दी गई, तो बांग्लादेश के सभी 64 जिलों में एक-एक राम मंदिर बनाएंगे।

तस्करी मामलो में क्राइम ब्रांच की बड़ी सफलता, 1 करोड़ 33 लाख का माल जप्त

भोपाल (राजधानी चौपाल)।राजधानी की क्राइम ब्रांच टीम ने गांजा तस्करी मामलो में बड़ी कार्यवाही करते हुए 30 लाख के गांजे, एल्यूमीनियम की 396 सिल्लियाँ और वाहन समेत करीब 1 करोड़ 33 लाख का माल बरामद किया है। क्राइम ब्रांच एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की गुरुवार 18 जून को मुखबिर से सूचना मिली की गोल जोड़ तिराहे के पास सड़क किनारे कोलार भोपाल में आइशर ट्रक खड़ा है। इस ट्रक में लौंडिग माल की आड़ में भारी मात्रा में गांजा रखा हुआ है। वाहन

चालक गांजे की डिलीवरी देने के लिये किसी का इंतजार कर रहा है। खबर मिलते ही टीम ने मुखबिर द्वारा बताये स्थान गोल जोड़ तिराहा के पास घेराबंदी कर पकड लिया। ट्रक में ड्रायवर सीट पर बैठे व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसकी पहचान आनन्द बैरागी पिता वंशीदास बैगारी (23) निवासी ग्राम हथवास तहसील सतवास जिला देवास के रुप में हुई। उसके ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें एल्यूमीनिय इन गाड्र्स एल्यूमीनियम की सिल्लिया भरी मिली जिन पर हिंदी और अग्रेंजी में नालको लिखा है। एल्यूमीनियम की सिल्लियों के बीच में ही 6 प्लास्टिक की बोरिया में रखा 170 किलो 90 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आगे की जॉच के लिये आरोपी के पास मौजूद कीपेड और एन्ड्राईड मोबाईल सहित गांजा, एल्यूमीनियम सिल्लियां और करीब 30 लाख रुपए कीमत का आइशर ट्रक समेत कुल 1.33 करोड़ रुपए से अधिक का सामान जब्त किया है। पुलि ने बताया की आरोपी आनंद बैरागी 8वीं तक पढ़ा है, ओर बीते काफी समय से ड्रायवरी का काम कर रहा है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत मामला कायम कर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आरोपी से गांजा सप्लायर, डिलीवरी नेटवर्क और इस तस्करी में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस को संदेह है की आरोपी पहले भी गांजा तस्करी कर चुका होगा, आगे की जॉच में राजधानी में नशीले पदार्थ की तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

कुछ लोग कुत्ते तो होते हैं, लेकिन वफादार नहीं होते जय महाराष्ट्र!

मुंबई (राजधानी चौपाल)। महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना के दोनों गुटों के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। उद्धव ठाकरे गुट के 6 लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की अटकलों के बीच शनिवार को राज्यसभा सांसद और यूबीटी नेता संजय राउत ने सोशल मीडिया पर तीखा हमला बोला। राउत ने एक तस्वीर शेयर की जिस पर हिंदी में लिखा था, ह्लकुछ लोग कुत्ते तो होते हैं, लेकिन वफादार नहीं होते।ह्व इस पोस्ट को शेयर करते हुए राउत ने कैप्शन में लिखा, ह्लजय महाराष्ट्र!ह्व संजय राउत का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है जब उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट को 2022 की ऐतिहासिक बगावत के बाद पार्टी में दूसरे सबसे बड़े विभाजन के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) का यह संकट गुरुवार को उस समय और गहरा गया जब नई दिल्ली में संसद भवन परिसर में बुलाई संसदीय दल की अहम बैठक से पार्टी के 9 लोकसभा सांसदों में से 6 गायब थे। इस बैठक में

केवल अरविंद सावंत, अनिल देसाई और राजाभाऊ वाजे पहुंचे। बैठक से नदारद रहने वाले बागी सांसदों में नागेश पाटिल-आष्टीकर, संजय देशमुख, संजय जाधव, संजय दीना पाटिल, ओमप्रकाश राजे निंबालकर और भाऊसाहेब वाकचौरे शामिल हैं। इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने कहा कि ये लोग जो खुद को शिवसैनिक कहते थे, कायर हैं। शिवसैनिक इतने कायर नहीं होते। ये खुद को शिवसैनिक मानते हैं और अब छिपने के लिए कहां गए हैं? जयपुर। संजय राउत ने कहा कि कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। हम इन्हें अयोग्य ठहराने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अगर लोकसभा के अध्यक्ष नियमों, कानून और सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के मुताबिक काम करते हैं तो ये लोग निश्चित रूप से अयोग्य घोषित कर दिए जाएंगे। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में इस संभावित बड़े दलबदल को ऑपरेशन टाइगर का नाम दिया जा रहा है। इस चर्चा को तब और हवा मिली जब शिवसेना के एमएलसी चंद्रकांत रघुवंशी ने दावा किया कि उद्धव गुट के 6 सांसदों ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में अपना विश्वास जताया है और वे पहले ही इस गुट के साथ अपनी सहमति बना चुके हैं। इस विपरीत परिस्थितियों के बावजूद संजय राउत ने दावा किया कि पार्टी पूरी ताकत से वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि शिवसेना ने अपने गौरवशाली 60 साल पूरे कर लिए हैं और इस समय बालासाहेब ठाकरे का जन्मशताब्दी वर्ष भी चल रहा है। हम हमेशा बालासाहेब ठाकरे से प्रेरणा लेते हैं। जब तक इस बुराई का खात्मा नहीं हो जाता, हम लड़ाई जारी रखेंगे।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का ग्वालियर आगमन

ग्वालियर (राजधानी चौपाल)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का ग्वालियर आगमन पर विमानतल पर आत्मीय स्वागत हुआ। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु रविवार 21 जून को वायुसेना के विमान से दोपहर 2.40 बजे वायुसेना के विमानतल महाराजपुरा पर पधारीं। उनके साथ मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल भी आए। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का ग्वालियर विमानतल पर आत्मीय स्वागत हुआ। विमानतल पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने राष्ट्रपति को पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर सामाजिक न्याय एवं

उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह व महापौर श्रीमती शोभा सतीश सिकरवार ने भी पुष्प-गुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। विमानतल पर अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, डीजी होमगार्ड सुश्री प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह एवं वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु एवं राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल कुछ देर रुकने के पश्चात हैलीकॉप्टर से श्योपुर जिले के कूनों के लिये रवाना हुए। विमानतल पर संभागीय आयुक्त मनोज खत्री, आईजी अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी असित यादव, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित वायुसेना के अधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु 22 जून को प्रातः 10.40 बजे हैलीकॉप्टर से श्योपुर के कूनों से वायुमार्ग द्वारा ग्वालियर में वायुसेना के विमानतल महाराजपुरा आयेंगीं। कुछ देर रुकने के पश्चात वायुसेना के विमान द्वारा नई दिल्ली के लिये रवाना होंगीं।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में आई तकनीकी खराबी, 5 घंटे परेशान हुए यात्री

लखनऊ। यूपी के वाराणसी से रांची जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बिहार के रोहतास जिले में खराब हो गई। डीडीयू-गया रेलखंड पर शिवसागर रेलवे स्टेशन से पहले रास्ते में करीब 5 घंटे तक वंदे भारत खड़ी रही। ट्रेन में सवार यात्री बेचैन और परेशान हो गए। खाना-पानी नहीं मिलने के उनकी हालत खराब होने लगी। ट्रेन में तकनीकी खराबी का पता नहीं चल पाया, तो रेलवे अधिकारियों ने दूसरा इंजन मंगवाया। फिर वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वाराणसी से रांची जा रही ट्रेन नंबर 20888 अपने तय मार्ग से शुक्रवार को चल रही थी। तभी शिवसागर और कुम्हऊ स्टेशन के बीच उसके इंजन में तकनीकी खराबी आ गई। ड्राइवर ने ट्रेन को रास्ते में ही रोक दिया और रेल अधिकारियों को सूचना दी। बताया जा रहा है कि रेलवे के तकनीकी अधिकारियों के आने में 2 घंटे का समय लग गया। अंधेरा होने पर मोबाइल के टॉर्च की रोशनी में बहुत देर तक टीम ने ट्रेन की जांच की, लेकिन किसी भी इंजीनियर को गड़बड़ी समझ नहीं आई। इसके बाद उच्च अधिकारियों से फोन पर

चर्चा की। फिर दूसरा इंजन बुलाया गया, उसे जोड़ा रात 10 बजे ट्रेन को रवाना किया गया। वाराणसी-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार अधिकतर यात्री ट्रेन के रुकने से करीब 5 घंटे अंदर ही बैठे रहे। वे ट्रेन के चलने का इंतजार करते रहे। बहुत देर तक गाड़ी नहीं खुली तो उनकी बेचैनी बढ़ने लगी। ना तो उन्हें वहां पानी और ना ही कुछ खाने की चीजें मिल पाईं। इससे यात्री घंटों परेशानी से जूझते रहे। कुछ लोगों ने शिवसागर रेलवे स्टेशन भी फोन किया, लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं मिला। वंदे भारत के काफी देर तक वहां रुकने से आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर स्थानीय थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। उन्होंने यात्रियों की सुरक्षा को संभाला।

अब नॉर्दन कमांड में चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभालेंगे हितेश भल्ला

नई दिल्ली, (राजधानी चौपाल)। भारतीय सेना की 14वीं कोर के मौजूदा कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला अब नॉर्दन कमांड में चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी जगह 14वीं कोर के कमांडर की जिम्मेदारी मेजर जनरल मदनराज पांडे लेंगे, जो जल्द ही पद संभालेंगे। उनका प्रमोशन हो गया है और लेफ्टिनेंट जनरल के तौर पर वे कोर कमांडर बनेंगे। पिछले महीने ही भारत-चीन सीमा मामलों पर बातचीत और समन्वय के लिए बने वर्किंग मैकेनिज्म की बैठक हुई थी, जिसके बाद उम्मीद है कि जल्द ही ईस्टर्न लद्दाख में एलएसी का

मसला सुलझाने के लिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच कोर कमांडर स्तर की बैठक हो सकती है। पिछले साल अक्टूबर में कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई थी। लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला के कोर कमांडर रहते भारत-चीन के बीच गतिरोध में एक अहम मोड़ भी आया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैसे तो पहले चार जगहों से डिसइंगेजमेंट हो गया था और दोनों देशों की सेना कुछ पीछे चली गई थी लेकिन वहां अभी नो-पेट्रोलिंग जोन बने हुए हैं। 21 अक्टूबर 2024 को भारत और चीन के बीच देपसांग और डेमचॉक में गतिरोध खत्म करने को लेकर सहमति बनी थी। तब कोर कमांडर स्तर की बैठक लगातार कुछ हफ्तों तक चली थी। देपसांग और डेमचॉक के उन सभी सात पॉइंट्स पर दोनों तरफ की सेनाएं पेट्रोलिंग कर रही हैं जहां अप्रैल 2020 से पहले पेट्रोलिंग होती रही है। इसमें देपसांग के पांच पॉइंट और डेमचॉक के दो पेट्रोलिंग पॉइंट शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला लंबे वक्त तक 14वीं कोर के कमांडर रहने का रेकॉर्ड भी बना चुके हैं। उन्हें कोर कमांडर रहते करीब 24 महीने हो गए हैं। सेना की ये इकलौती कोर है जिसका हेडक्वॉर्टर हाई एल्टीट्यूट में है इसलिए यहां कोर कमांडर का कार्यकाल अमूमन 13 से 15 महीनों का होता है। कुछ कोर कमांडर यहां 18 महीनों तक भी रहे और करीब दो दशक पहले यहां कोर कमांडर करीब 20 महीने तक भी रहे, लेकिन लेफ्टिनेंट जनरल भल्ला ने ये रेकॉर्ड भी तोड़ दिया है।

भरत तिवारी की मौत को भाकपा-माले नेताओं ने संदिग्ध बताते हुए की कड़ी निंदा

भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड अंतर्गत बिलौटी गांव में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत भूषण तिवारी के परिजनों से मिलने आरा सांसद सुदामा प्रसाद के नेतृत्व में भाकपा-माले नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल उनके घर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने घटना को गंभीर और संदिग्ध बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। वहीं, दूसरी ओर जन सुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने भी परिजनों से मुलाकात की और प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की। भाकपा-माले के प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से मुलाकात के बाद घटना को गंभीर और संदिग्ध बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की और प्रदेश में ह्यएनकाउंटर राजह्ल जैसे आरोप भी लगाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सांसद

के परिजनों से मुलाकात में भरत तिवारी के पिता ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि उनका बेटा मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उन्होंने पुलिस से उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजने की अपील की थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें घर जाने से रोक दिया और बाद में बेटे को गोली लगने की सूचना दी। उन्होंने यह भी दावा किया कि घटना स्थल से ग्रामीणों को पहले ही हटा दिया गया था और एक दिव्यांग व्यक्ति के साथ मारपीट की गई। आरा सांसद ने कहा कि भरत भूषण तिवारी को बचाया जा सकता था, लेकिन पुलिस ने बल प्रयोग किया आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि बिहार में एनकाउंटर राज चल रहा है और हाल के दिनों में कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी जिन मुद्दों को उठा रहे थे, वे जनहित से जुड़े थे। विशेष रूप से जवानिया गांव के कटाव पीड़ितों के पुनर्वास का मुद्दा उन्होंने लगातार उठाया था। आरा सांसद ने जवानिया गांव के विस्थापितों के लिए विशेष पैकेज और समुचित पुनर्वास की मांग भी की। वहीं, भाकपा माले के प्रतिनिधिमंडल ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, संबंधित पुलिसकर्मियों पर आपराधिक मुकदमा दर्ज करने, मृतक के आश्रितों को 50 लाख रुपए मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। मीडिया से बातचीत में मनोज भारती ने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर और चिंताजनक है1 उन्होंने आरोप लगाया कि यह एनकाउंटर नहीं, बल्कि हत्या का मामला प्रतीत होता है। जन सुराज ने पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की।

कॉकरोच जनता पार्टी का फिर दिल्ली में प्रदर्शन हाथों में पोस्टर और थाली-चम्मच लेकर जंतर-मंतर पर जुटे

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)।कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक बार फिर नीट और कंपटेटिव एग्जाम को लेकर शनिवार (20 जून) को विरोध प्रदर्शन कर रही है। हाथों में पोस्टर और थाली-चम्मच लेकर सीजेपी समर्थक जंतर-मंतर पर जुट रहे हैं। प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को छावनी में तब्दील कर दिया है। दिल्ली पुलिस सीसीटीवी कैमरा के जरिए भी निगरानी कर रही है। इसके अलावा कई अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस दिल्ली पुलिस ने अपने यंत्र लगाए हैं। फिलहाल अभी जंतर मंतर पर दिल्ली पुलिस का कड़ा पहरा है। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

हरियाणा कैबिनेट बैठक का समय बदला, नए शेड्यूल की सूचना मंत्रियों को जारी।

कैबिनेट की घड़ी बदली, नए समय पर जुटेंगे मंत्री

चंडीगढ़ (राजधानीचौपाल): हरियाणा सरकार ने 22 जून को होने वाली राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की महत्वपूर्ण बैठक के समय में बदलाव किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा संशोधित नोटिस जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को सूचित कर दिया गया है। नई सूचना के अनुसार, कैबिनेट बैठक सोमवार, 22 जून को हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ स्थित मुख्य सभा कक्ष (चौथी मंजिल) में आयोजित की जाएगी। सरकार की ओर से जारी नोटिस में बताया गया है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किए जाने के कारण बैठक का समय परिवर्तित किया गया है। संशोधित कार्यक्रम की जानकारी मुख्यमंत्री, सभी कैबिनेट मंत्रियों, राज्य मंत्रियों, राज्यपाल के सचिव तथा अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को भेज दी गई है ताकि बैठक में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। इसके अलावा राज्य सरकार के सभी प्रशासनिक सचिवों, विधि परामर्शी, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के निदेशक तथा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भी आवश्यक कार्यवाही एवं समन्वय के लिए अवगत कराया गया है। विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बैठक से संबंधित सभी व्यवस्थाएं नए समय के अनुसार सुनिश्चित की जाएं। सूत्रों के अनुसार, बैठक में राज्य के विकास कार्यों, प्रशासनिक सुधारों, विभिन्न विभागों की प्रगति रिपोर्ट, आगामी योजनाओं तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की जा सकती है। इसके अलावा कुछ नीतिगत निर्णयों और लंबित मामलों पर भी मंत्रिमंडल की मुहर लगने की संभावना जताई जा रही है। राज्य सरकार की यह बैठक कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें विभिन्न विभागों से जुड़े अहम प्रस्तावों पर विचार-विमर्श होने की उम्मीद है। सरकार द्वारा जारी संशोधित नोटिस 20 जून 2026 को प्रभावी रूप से जारी किया गया है और सभी संबंधित पक्षों को इसकी जानकारी उपलब्ध करा दी गई है।

कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

चंडीगढ़ (राजधानीचौपाल): हरियाणा मंत्रिमंडल की 22 जून को होने वाली बैठक को लेकर प्रशासनिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष रखे जा सकते हैं। इनमें विकास परियोजनाओं की समीक्षा, नई भर्ती प्रक्रियाओं, बुनियादी ढांचा विकास, कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं तथा वित्तीय मामलों पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि विभिन्न विभागों ने अपने-अपने प्रस्ताव सरकार को भेज दिए हैं, जिन पर मंत्रिमंडल अंतिम निर्णय ले सकता है। इसके अलावा केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन, निवेश परियोजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा की जा सकती है। बैठक के बाद लिए गए फैसलों का सीधा असर राज्य के प्रशासनिक कामकाज और विकास योजनाओं पर पड़ने की उम्मीद है।

सीएम सैनी बोलेरू योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं

चंडीगढ़ (राजधानीचौपाल): मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता से वैश्विक योग अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रयासों से योग आज पूरी दुनिया में भारत की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने भारत की सांस्कृतिक शक्ति को विश्व मंच पर स्थापित करने का कार्य किया है। उन्होंने बताया कि पंचकूला की पावन धरती पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में 16 मित्र देशों के सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। उनकी सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि योग सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में जोड़ने की क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" है। कोविड महामारी के दौरान योग और प्राणायाम ने लाखों लोगों को मानसिक शक्ति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान की। आज भी योग स्वस्थ जीवनशैली का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने प्रदेश के हर जिले, ब्लॉक, गांव और शहर में योग के माध्यम से स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध जीवन का संकल्प लेने वाले लाखों लोगों का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा को केवल विकास और खेलों की भूमि ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली की अग्रणी भूमि भी बनाना होगा। इसी लक्ष्य को लेकर राज्य की डबल इंजन सरकार योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। प्रतिदिन केवल 30 मिनट योग को देने से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी आधार है। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए योग को जन-जन तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे संकल्प लें कि "योग फॉर हेल्दी एजिंग" को केवल एक थीम नहीं, बल्कि अपने जीवन का दर्शन बनाएंगे और योग के माध्यम से स्वस्थ, जागरूक एवं सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देंगे।

अनाज मंडी में गूंजा योग का संदेश, मुख्य अतिथि रहीं रेखा शर्मा

चंडीगढ़ (राजधानीचौपाल): जगाधरी की नई अनाज मंडी में शनिवार को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में शहरवासियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

करनाल केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने किया सेक्टर 12 में योग

चंडीगढ़ (राजधानीचौपाल): करनाल सेक्टर 12 में बने योग शेड के नीचे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में मेरा मिशन स्वास्थ भारत की टीम की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर पहुंचे अंबाला सिटी के सेक्टर 10 स्थित राजीव गांधी खेल स्टेडियम में रविवार सुबह जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। सुबह की ताजी हवा के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, युवाओं और शहरवासियों ने भारी संख्या में भाग लिया।

भाजपा वरिष्ठ नेता रवि सैनी ने संभावना वन विभाग के चेयरमैन पद

-जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेड़ सहित अन्य पदाधिकारियों ने दी बधाई

हिसार (राजधानीचौपाल): भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रवि सैनी ने पंचकूला स्थित कार्यालय में हरियाणा वन विभाग के चेयरमैन पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर भाजपा के विभिन्न पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

भाजपा नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि रवि सैनी अपने लंबे राजनीतिक एवं सामाजिक अनुभव के बल पर वन विभाग के चेयरमैन के रूप में प्रभावी कार्य करते हुए पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा हरित विकास से जुड़े कार्यों को नई गति प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में विभाग जनहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यों को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाएगा।

इस अवसर पर उपस्थित जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेड़ उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, सतीश सुरलिया मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, आईटी मीडिया प्रमुख सुरेश जांगड़ा, हिसार विधानसभा बीएलए1 रामचन्द्र गुप्ता, लोकेश असीजा, अनुज जैन, मनदीप मलिक, सरोज सिहाग, प्रोमिला पूनिया, महेंद्र सिंह पानू, नरेश ग्रेवाल, संजय कुमार व डॉ. संजय मुंजाल सहित अन्य अनेक पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

रंजिश में निर्दोषों को फंसाने वाले अफसरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

-सीआईए टीम द्वारा बैंक मैनेजर को झूठे केस में फंसाने पर कांग्रेस नेता ने जताई कड़ी प्रतिक्रिया

हिसार (राजधानीचौपाल): वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज राठी ने कहा है कि पुलिस के जो अधिकारी नेताओं के इशारों पर या अपनी रंजिश निकालने के लिए आम नागरिकों को झूठे केस में फंसाते हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि ऐसे नेताओं पर विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ उन्हें फांसी की सजा दी जाए, तो भी कम है। मनोज राठी ने कहा कि हाल में ही सामने आया है कि किस प्रकार सीआईए टीम ने निर्दोष बैंक मैनेजर से मारपीट की और उसे झूठे केस में फंसाने के लिए एनडीपीएस के केस में फंसा दिया। उन्होंने कहा कि यह तो मैनेजर ने अपने पूरे तथ्य रखे, जिस पर गौर करते हुए माननीय अदालत ने न केवल मैनेजर को बाइज्जत बरी कर दिया बल्कि सीआईए के तत्कालीन प्रभारी कप्तान सिंह सहित उनके अन्य चहेतों को नोटिस जारी करके जवाब मांग लिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई नागरिक किसी वजह से पुख्ता तथ्य एकत्रित न कर पाए या अदालत में पेश न कर पाए तो ऐसे भ्रष्ट व रंजिश निकालने वाले पुलिस अधिकारियों की बदौलत किसी निर्दोष को जेल में चक्की पिसनी पड़ सकती है। मनोज राठी ने कहा कि ऐसे पुलिस अधिकारी अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम करते हैं या फिर अपनी रंजिश निकालने के लिए निर्दोषों को फंसाते हैं और फिर उनसे मोटी रकम ऐंठ लेते हैं। इस प्रकार के अधिकारी डकैत होते हैं, जो वर्दी पहनकर और सरकार से लाइसेंस लेकर डकैती मारते हैं। पुलिस का काम आम लोगों को इंसाफ देना होता है, लेकिन अगर इंसाफ देने वाला ही लोगों को झूठे मुकदमा में फंसाने लग जाए तो लोग कहां जाएंगे। उन्होंने कहा कि सीआईए टीम ने जो कृत्य किया है, उसके चलते उन्हें कठोर सजा देनी चाहिए और तुरंत उनको नौकरी से बर्खास्त करना चाहिए ताकि और अधिकारियों में भी संदेश जाए। उन्होंने कहा कि हम न्याय की लड़ाई लड़ने वाले बैंक मैनेजर के साथ हैं और ऐसे भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हर स्तर पर जाएंगे।

चौनत के ग्रामीणों की मांग पूरी तरह से जायज, केस दर्ज करना निंदनीय रू दलबीर किरमारा

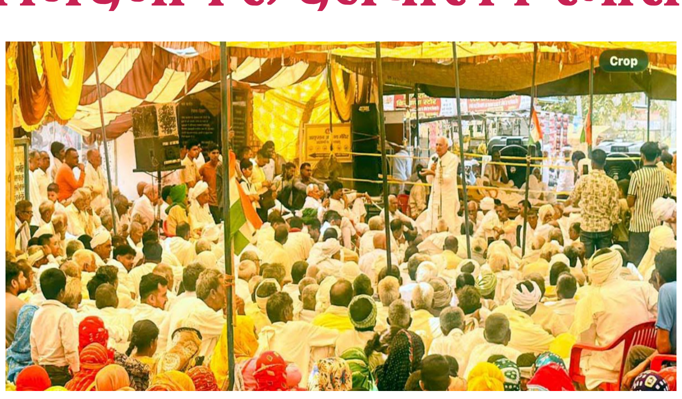

हिसार (राजधानी चौपाल): इनेलो के प्रदेश सचिव दलबीर किरमारा ने चैनत गांव में पिछले लगभग एक माह से धरने पर बैठे ग्रामीणों की मांग का समर्थन करते हुए उनकी मांग अविलंब पूरी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केवल पानी की मांग पर ग्रामीण धरना, प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार व प्रशासन उनकी मांग पूरी नहीं कर पा रहे हैं, जो शर्म की बात है।

दलबीर किरमारा ने कहा कि केवल पानी ही नहीं बल्कि बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क व परिवहन कोई मांग नहीं बल्कि मूलभूत आवश्यकता है और ये मूलभूत आवश्यकता पूरी करना सरकार की जिम्मेवारी है। जो सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवा पाए, उसे सत्ता में रहने का भी अधिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चैनत के ग्रामीण पानी की मांग पर लगभग एक माह से आंदोलनरत है, पानी की लाइन उनके गांव में से जा रही है लेकिन ग्रामीणों को पानी देने की बजाय उन्हें तरसाया जा रहा है, जो निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यह सरकार व प्रशासन का काम था कि यदि किसी गांव में से पानी या बिजली की लाइन जा रही है तो संबंधित गांवों की जरूरतों का भी ध्यान रखा जाए।

दलबीर किरमारा ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने भी गांव में पहुंचकर ग्रामीणों की मांग का समर्थन किया है। बिजली व पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग पर आंदोलन रही जनता के साथ इनेलो पूरी तरह से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करके अपनी मांग उठा रहे हैं और उनकी मांग पूरी तरह से जायज है लेकिन सरकार एवं प्रशासन ग्रामीणों पर केस दर्ज करके उनकी जायज मांग को दबा रहे हैं, जो निंदनीय है। जनता के साथ इस तरह के अन्याय को इनेलो कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

कुरुक्षेत्र भाजपा में बड़ा बदलाव, रमेश सैनी बने नए जिलाध्यक्ष

कुरुक्षेत्र (राजधानीचौपाल): चुनावी और सामाजिक समीकरणों को साधने की कवायद

राजनीतिक गलियारों में इस बदलाव को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुरुक्षेत्र जिला धार्मिक और राजनीतिक रूप से हरियाणा का एक प्रमुख केंद्र है। रमेश सैनी को कमान सौंपकर पार्टी ने जहां संगठन को नई ऊर्जा देने का प्रयास किया है, वहीं जिला स्तर पर सामाजिक और जातीय समीकरणों को भी साधने की कवायद की है। रमेश सैनी की स्थानीय कार्यकर्ताओं पर अच्छी पकड़ मानी जाती है, जिसका लाभ आगामी दिनों में पार्टी को मिलेगा।

नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का पहला बड़ा फैसला भाजपा की कमान संभालने के बाद नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता संगठन को मजबूत करने और धरातल पर सक्रियता बढ़ाने के लिए लगातार फैसले ले रही हैं। कुरुक्षेत्र जिला इकाई में किया गया यह फेरबदल उनकी नई टीम और रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी आलाकमान का मानना है कि इस बदलाव से जिले में कार्यकर्ताओं के बीच नया जोश देखने को मिलेगा।

कार्यकर्ताओं में उत्साह, नए जिलाध्यक्ष को मिल रही बधाइयां रमेश सैनी को कुरुक्षेत्र भाजपा का नया कप्तान बनाए जाने की सूचना मिलते ही स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। सोशल मीडिया से लेकर पार्टी कार्यालय तक उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि रमेश सैनी के नेतृत्व में पार्टी जिला कुरुक्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। वहीं, निवर्तमान जिलाध्यक्ष तिजेंद्र गोल्डी के कार्यकाल के दौरान किए गए सांगठनिक कार्यों की भी सराहना की जा रही है।

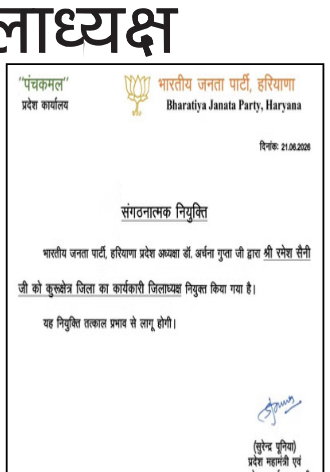

"पंचकमल"
प्रदेश कार्यालय

भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा
Bharatiya Janata Party, Haryana

दिनांक: 21.06.2026

संगठनात्मक नियुक्ति

भारतीय जनता पार्टी, हरियाणा प्रदेश अध्यक्षा डॉ. अर्चना गुप्ता जी द्वारा श्री रमेश सैनी जी को कुरुक्षेत्र जिला का कार्यकारी जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

(सुरेन्द्र पूनिया)
प्रदेश महामंत्री एवं
प्रदेश कार्यालय प्रभारी

NEWS CORRIDOR

बिहार में चल रहे अंतरराज्यीय भ्रूण लिंग जांच रैकेट का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

हरियाणा के झज्जर और चरखी दादरी की टीमों ने बिहार के गया में कार्रवाई कर अवैध भ्रूण लिंग जांच रैकेट का पर्दाफाश किया। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री सैनी ने सिविल सर्जनों की वित्तीय शक्तियां 10 लाख रुपये तक बढ़ाने के निर्देश दिए

सरकारी अस्पतालों में विकास कार्यों और रखरखाव को तेज करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिविल सर्जनों की वित्तीय सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने के निर्देश दिए।

महम विधायक कार्यालय फायरिंग मामले का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

रोहतक पुलिस ने कांग्रेस विधायक बलराम डांगी के कार्यालय पर फायरिंग के मामले को 24 घंटे में सुलझाने का दावा किया है। मुख्य आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया।

हरियाणा पुलिस को अपराध जांच में तकनीकी नवाचार के लिए राष्ट्रीय सम्मान

हरियाणा पुलिस के क्रिमिनल प्रोसीजर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (CrPIS) को देश का सर्वश्रेष्ठ मॉडल बताया गया और राज्य को 'सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया।

यमुनानगर में बुलडोजर कार्रवाई, 150 से अधिक अवैध कब्जे हटाए गए

पुलिस पर पथराव की घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए सरकारी जमीन पर बने 150 से ज्यादा अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया।

नशा मुक्त हरियाणा अभियान को मिला जोर

राज्यभर में 15 दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें युवाओं को नशे से दूर रहने और तस्करी की सूचना देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

लगभग दो माह बाद भी नहीं हुई जीएम को दिए गए मांगपत्र पर कार्रवाई

हिसार(राजधानी चौपाल): हरियाणा रोडवेज सांझा संघर्ष समिति ने आरोप लगाया है कि डिपो महाप्रबंधक को गत 29 अप्रैल को दिए गए मांगपत्र पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। महाप्रबंधक के इस रवैये पर कर्मचारी वर्ग में रोष है और उन्होंने कड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

इस संबंध में सांझा संघर्ष समिति की विशेष बैठक डिपो कर्मशाला में हुई, जिसमें महाप्रबंधक के रवैये पर रोष जताया गया। बैठक में मौजूद सांझा संघर्ष समिति के नेताओं ने कहा कि गत पांच जून को मुख्यालय से संयुक्त निदेशक, सांझा मोर्चा व हिसार उपायुक्त की ओर से भेजे गए एसडीएम की मध्यस्थता में 15 दिन का समय मांगा गया था जो 21 जून को पूरा हो रहा है इसके उपरांत कर्मचारियों की वित्तीय भत्तों की अदायगी समय पर नहीं की गई तो आगे की रणनीति बनकर बड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी जिसकी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से डिपो महाप्रबंधक व हिसार प्रशासन की होगी।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 23 जून को राज्य स्तरीय सांझा मोर्चा तथा सांझा मोर्चा से बाहर की यूनियनों के राज्य प्रधानों एवं महासचिवों को भी सांझा संघर्ष समिति द्वारा आमंत्रित किया जाएगा। इस अवसर पर सभी यूनियनों के राज्य स्तरीय पदाधिकारी एवं सांझा संघर्ष समिति हिसार संयुक्त बैठक कर महाप्रबंधक हिसार की कार्यशैली तथा कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित वित्तीय एवं अन्य भत्तों के मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि कर्मचारियों की जायज मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो एक बड़े और कड़े आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा। ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली किसी भी परिस्थिति की पूर्ण जिम्मेदारी महाप्रबंधक, जिला प्रशासन एवं हरियाणा सरकार की होगी।

उधर, कर्मचारियों का धरना 35वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता अजय दुहन ने की जबकि मंच संचालन अरुण शर्मा ने किया। वक्ताओं ने कर्मचारियों से एकजुट रहने और अपने अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

सांझा संघर्ष समिति के प्रेस प्रवक्ता संदीप जैनावास ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित वित्तीय भत्तों का जल्द ही समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को ओर तेज़ किया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों को एकजुट रहकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया है। इस अवसर पर सभी यूनियनों के प्रधान बजरंग लाखा, अमित जुगलान, कर्मवीर मसूदपुर, जितेन्द्र शर्मा, अनूप श्योकद, पवन कनोह, जोगेंद्र पंघाल, मंजीत सोरखी, नरेंद्र खरड़, राजेश सेलवाल व रमेश प्रभवाला आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सेक्टर-३३ में गंदे नाले एवं दूषित जलभराव की समस्या के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा

हिसार(राजधानी चौपाल): रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी सेक्टर-33, पी-1, के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान धर्मवीर पानू के नेतृत्व में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रशासक ब्रह्मजीत सिंह रांगी को ज्ञापन सौंपकर सेक्टर-33 के समीप स्थित सीआईआरबी फोडर फार्म क्षेत्र में बने गंदे नाले एवं दूषित जल के तालाब को समाप्त करवाने की मांग की है।

प्रधान धर्मवीर पानू ने बताया इस नाले के कारण लगातार चार वर्षो से बरसाती मौसम में सेक्टर में बाढ़ जैसे हालात हो जाते हैं। चार-चार फीट पानी भर जाता है और सेक्टर 33 और सेक्टर 14 के जिन मकानों में बेसमेंट बने हुए हैं उन सभी बेसमेंट में पांच फीट पानी भर जाता है। हर बरसाती मौसम में सेक्टरवासियों को गंभीर समस्या का सामना करना पड़ता है।

प्रधान धर्मवीर पानू ने बताया कि यह अस्थाई बनाया गया था लेकिन अब इसका कोई भी महत्व नहीं रह गया है, केवल सेक्टरवासियों को परेशान करने के सिवाय क्योंकि इस पानी के लिए अब हरियाणा सरकार ने 91 करोड रुपए की लागत से अंडरग्राउंड लाइन बरवाला चुंगी से सेक्टर 33 होते हुए लुदास ड्रेन में डाल दी गई है। इसलिए इस तालाब को जल्दी से जल्दी बंद करवाया जाए। इस नाले एवं जलभराव के कारण क्षेत्र में दुर्गंध, मच्छरों एवं रोग फैलाने वाले कीटों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक रोगों का खतरा बना हुआ है।

सेक्टर वासियो ने प्रशासन से मांग की है कि गंदे नाले को स्थायी रूप से बंद किया जाए, तालाब में जमा दूषित जल की निकासी करवाई जाए, जलभराव वाले क्षेत्र को भरकर समतल बनाया जाए

इस अवसर पर प्रधान धर्मवीर पानू, सचिव सरदार बलविंदर सिंह, ग्रीवेंस कमेटी मेंबर राजेंद्र सपड़ा, एसडीओ रामप्रसाद, एसडीओ कुलदीप बिश्नोई, जेई छत्रपाल सिंह आदि उपस्थित थे।

हरियाली को बचाने के लिए नगर निगम व जिंदल हाउस की बड़ी पहल

हिसार (राजधानी चौपाल) : ग्रीन ग्लोबल ग्रुप हिसार द्वारा हिसार शहर में कूड़े के ढेरों को ग्रीन बेल्टों में तब्दील किये जाने के बाद हरियाली को बचाने के लिए नगर निगम व जिंदल हाउस ने बड़ी पहल की है। ग्रुप के प्रवक्ता ने बताया कि मिल गेट व आसपास के क्षेत्र में पिछले 8 वर्षों में 25 हजार पौधे लगाए गए हैं। लगभग 10 किलोमीटर के इस क्षेत्र में से सवा किलोमीटर की स्थाई फेंसिंग हो चुकी है और आज प्रात: आधा किलोमीटर का शिलान्यास स्थानीय विधायक सावित्री जिंदल और मेयर प्रवीण पोपली के कर कमलों से किया गया। उनके साथ नगर पार्षद संजय डालमिया, भीम महाजन, मनोहर लाल वर्मा व नगर निगम के कई अधिकारी भी उपस्थित थे। ग्रीन ग्लोबल ग्रुप ने हरियाली को बचाने के लिए नगर निगम और जिंदल हाउस द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार प्रकट किया है।

5 फोटो संलग्न : ग्रीन ग्लोबल ग्रुप के सदस्य विधायक सावित्री जिंदल व मेयर प्रवीण पोपली का स्वागत करते हुए।

श्री रानी दादी मंगालीवाला मल्टीस्पेशलिटी चौरिटेबल अस्पताल में मॉडर्न नेत्र ऑपरेशन थिएटर का हुआ उद्घाटन

हिसार (राजधानी चौपाल) : श्री रानी दादी मंगालीवाला मल्टीस्पेशलिटी चैरिटेबल अस्पताल में आज अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मॉडर्न आंखों के ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि नए नेत्र ऑपरेशन थिएटर के शुरू होने से मोतियाबिंद सहित आंखों से संबंधित विभिन्न जटिल बीमारियों के ऑपरेशन आधुनिक तकनीक के माध्यम से किए जा सकेंगे। इससे क्षेत्र के मरीजों को बेहतर एवं सुलभ नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध होंगी।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अस्पताल लगातार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं गुणवत्ता सुधार के लिए कार्य कर रहा है। आधुनिक नेत्र ऑपरेशन थिएटर की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे हजारों मरीजों को लाभ मिलेगा। उद्घाटन समारोह के बाद उपस्थित अतिथियों ने ऑपरेशन थिएटर का अवलोकन किया तथा अस्पताल द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की। अस्पताल प्रबंधन ने भविष्य में भी जनसेवा के लिए नई सुविधाएं शुरू करने का संकल्प व्यक्त किया।

गुरु द्रोणाचार्य कन्या महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास

हिसार (राजधानी चौपाल) : गुरु द्रोणाचार्य कन्या महाविद्यालय, मंडी आदमपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग एवं प्राणायाम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया| कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अमिता ग्रेवाल के मार्गदर्शन में हुआ। योग सत्र का संचालन डायरेक्टर अजय ज्याणी एवं भूप सिंह ज्याणी ने किया। उन्होंने छात्राओं को सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम एवं कपालभाति सहित विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया तथा योग के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डाला।प्राचार्या डॉ. अमिता ग्रेवाल ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है।

उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास विद्यार्थियों में एकागृता, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का विकास करता है।डायरेक्टर अजय ज्याणी ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली में योग तनावमुक्त एवं संतुलित जीवन का सबसे सरल माध्यम है। वहीं भूप सिंह ज्याणी ने छात्राओं को प्रतिदिन योग करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं।योग सत्र के दौरान महाविद्यालय परिसर में अनुशासन एवं सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास किया और योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया |कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या डॉ. अमिता ग्रेवाल ने योग प्रशिक्षकों, शिक्षकों एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

हांसी के चन्नोट गांव में ३६ दिन बाद खत्म हुआ पानी आंदोलन

हिसार (राजधानी चौपाल) : हिसार जिले के हांसी क्षेत्र के चन्नोट गांव में पेयजल की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन 36 दिन बाद आंशिक रूप से समाप्त हो गया। सरकार ने भाखड़ा जल पाइपलाइन से गांव को पेयजल कनेक्शन देने पर सहमति जताई है, जिसके बाद अनशन पर बैठे ग्रामीणों ने अपना अनशन समाप्त कर दिया। हालांकि ग्रामीणों ने अन्य मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

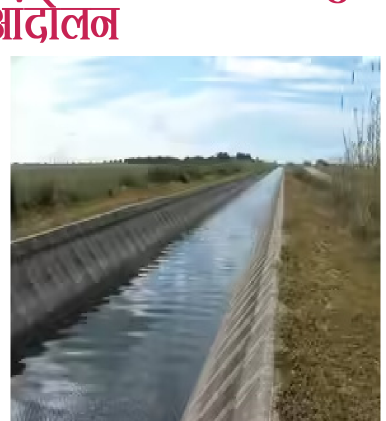

२३ जून तक हिसार समेत हरियाणा में बारिश और आंधी की संभावना

हिसार (राजधानी चौपाल) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (HAU) हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश में 23 जून तक मौसम के अस्थिर बने रहने की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और राजस्थान-पंजाब क्षेत्र में बन रहे चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से हरियाणा के अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश, तेज हवाएं तथा कहीं-कहीं बिजली गिरने की घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है। किसानों को भी मौसम को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्य करने की सलाह दी गई है। हाल के दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी और बारिश के कारण बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिसके चलते अनेक गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित रही।

न्यूज ब्रीफ

हिन्दवी साम्राज्य एवं अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद् स्थापना दिवस पर विशाल हिन्दू जागृति सम्मेलन 24 जून को

हिसार (राजधानी चौपाल): हिन्दवी साम्राज्य तथा अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद् के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशाल हिन्दू जागृति सम्मेलन का आयोजन 24 जून 2026 (बुधवार) को राजपूत धर्मशाला, सिरसा रोड, हिसार में किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 9:15 बजे होगा। सम्मेलन के मुख्य वक्ता कृष्ण गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय बजरंग दल, हरियाणा होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवीण हिन्दू, विभाग अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद् द्वारा की जाएगी।

प्रवीण हिन्दू ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य हिन्दू समाज में जागरूकता, संगठन, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा राष्ट्रहित के विषयों पर जन चेतना का प्रसार करना है। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राष्ट्रवादी विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोगों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम के संयोजक शंकर गुर्जर, जिला अध्यक्ष, राष्ट्रीय बजरंग दल ने बताया कि सम्मेलन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और जिले भर से कार्यकर्ताओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। कार्यक्रम के सह-संयोजकों में राधेश्याम, नगर अध्यक्ष, राष्ट्रीय बजरंग दल,अमित कुमार, जिला उपाध्यक्ष, कुनाल सरवटा, नगर उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बजरंग दल तथा किरण बासवाना, जिला अध्यक्षा, साधिका अरोड़ा, जिला उपाध्यक्ष, नीलम सैनी, नगर अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला परिषद् शामिल हैं। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी एवं राष्ट्रभक्त नागरिकों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना पर हिसार में कार्यक्रम 19 को

हिसार (राजधानी चौपाल): प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के सफल क्रियान्वयन के उपलक्ष्य में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 19 जून को सायं 4 बजे जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, ओपी जिंदल मार्ग, इंडस्ट्रियल एरिया, हिसार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में हिसार की विधायक सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत करेंगी। वहीं अनूप कटियार विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में लगभग 300 नियोक्ता, कर्मचारी और यूनियन प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत रोजगार सृजन, कार्यबल के औपचारिकरण तथा श्रमिक कल्याण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। यह कार्यक्रम देशभर में आयोजित किए जा रहे रोजगार प्रोत्साहन कार्यक्रमों की शृंखला का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना और श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से जोडना है। इस कार्यक्रम के दौरान, भारत के प्रधानमंत्री प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों को लगभग 2,400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित करेंगे।

रोटरी सैंट्रल हिसार ने टी.बी. के 10 मरीजों को दी प्रोटीन की दूसरी डाइट

हिसार(राजधानी चौपाल): समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत संस्था रोटरी सैंट्रल हिसार द्वारा टी.बी. रोगियों के स्वास्थ्य सुधार हेतु 10 मरीजों को प्रोटीन युक्त आहार उपलब्ध कराने के लिए गोद लिया गया था। इसी कड़ी में शुक्रवार को पंजाबी धर्मशाला, पटेल नगर, हिसार में प्रोटीन डाइट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 10 चयनित मरीजों को प्रोटीन की दूसरी डाइट दी गई। रोटरी सैंट्रल हिसार द्वारा आयोजित यह प्रोटीन डाइट वितरण का 8वां कैंप था। इससे पहले भी क्लब ने 20 टी.बी. मरीजों को 6 महीने तक प्रोटीन डाइट उपलब्ध करवाई थी।

रोटरी सैंट्रल हिसार के प्रधान रो. सुनील मलिक ने बताया कि टी.बी. जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने के लिए दवाइयों के साथ-साथ पौष्टिक एवं प्रोटीन युक्त भोजन अत्यंत आवश्यक होता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए क्लब ने इन मरीजों दो माह तक नियमित रूप से प्रोटीन डाइट उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया ताकि उनके स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार हो सके। कार्यक्रम में टी.बी. अस्पताल हिसार के स्टाफ सदस्यों ने भी भाग लिया तथा मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर रोटरी सैंट्रल क्लब से प्रधान रो. सुनील मलिक के अलावा रो. प्रोफेसर हरीश जुनेजा प्रोजेक्ट चेयरमैन, रो. प्रोफेसर पी पी तनेजा को-प्रोजेक्ट चेयरमैन, रो. विनोद आहूजा, महेश नारंग समाजसेवी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दल-बदल रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, सीजेआई ने पूछा पार्टी का नाम

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)। राजनीतिक दलों में नेताओं के दल-बदल को रोकने की मांग करने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने याचिका पर सुनवाई से इंकार कर याचिकाकर्ता से पूछा कि वे किस पार्टी की बात कर रहे हैं। याचिका में नेताओं के भ्रष्टाचार और दल-बदल में शामिल होने का आरोप लगाया गया था।

वकील सी.आर. जया सुकिन ने बताया कि देश में पार्टियों के नेता या रिश्वत लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या धमकियां देकर परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने की बात कर रहे हैं, ताकि उन्हें पार्टी बदलने पर मजबूर कर सके। सुकिन ने तर्क दिया कि यह लोकतंत्र को तबाह करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राज्य पूर्वी भारत में और दूसरा मध्य भारत में है, जहाँ पार्टी नेता लगातार दल बदल रहे हैं। याचिकाकर्ता ने जोर दिया कि विधानसभा अध्यक्षों को नेताओं के इस्तीफे की जांच करनी चाहिए, क्योंकि वे अक्सर मीडिया के सामने इस्तीफे स्वीकार

कर लेते हैं और कुछ ही मिनटों में नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद सीजेआई ने सवाल किया, आप किस सत्तारूढ़ दल की बात कर रहे हैं? आपके राज्य में तब पार्टियां बदलती रहती हैं। उन्होंने याचिका को अस्पष्ट और सामान्य आरोपों पर आधारित बताकर खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि आरोपों के समर्थन में कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया है और इसतरह के मामलों में अदालत के दखल देने का कोई आधार नहीं दिखाता है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब देश के विभिन्न हिस्सों में दल-बदल की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों ने वरिष्ठ नेता काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी से अलग होकर नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया। राज्य में विधायकों ने भी अपना अलग गुट बना लिया है और कोर्ट ने भी रीताब्रता बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के छह सांसद जल्द ही पार्टी छोड़ सकते हैं और शिवसेना को अपना समर्थन दे सकते हैं। ये संकेत तब और पुख्ता हुए जब गुरुवार को पार्टी के संसदीय दल की बैठक में 9 में से केवल 6 सांसद ही उपस्थित हुए।

श्रीनगर सीमेंट फैक्ट्री में चिमनी फटने से आग, 7 मजदूर झुलसे, एक गंभीर

श्रीनगर(राजधानी चौपाल)श्रीनगर के बाहरी इलाके खोनमोह स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार देर रात चिमनी में आग लगने से सात मजदूर झुलस गए। इनमें एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य छह अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुवार देर रात हुए इस हादसे में फैक्ट्री की चिमनी में अचानक आग लग गई, जिससे वहां काम कर रहे श्रमिक आग और तेज गर्मी की चपेट में आ गए। फैक्ट्री प्रबंधन और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर सभी घायलों को श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर को विशेष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि बाकी छह मजदूरों की स्थिति स्थिर है। इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि फैक्ट्री में निर्धारित सुरक्षा मानकों और अनिवार्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा था या नहीं। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में जो तथ्य सामने आया है, उसके बाद कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में तेज प्रताप यादव के खिलाफ एफआईआर : आरोप-प्रत्यारोप का दौर

पटना(राजधानी चौपाल) बिहार में एक नया राजनीतिक विवाद तब खड़ा हो गया जब कोर्ट के आदेश पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव के खिलाफ पाटलिपुत्र पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। यह मुकदमा अनुष्का के भाई आकाश यादव ने दर्ज कराया है, जिनका नाम सार्वजनिक रूप से तेज प्रताप से जोड़ा जाता रहा है। बिहार पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। एएसपी दिव्यांजलि जायसवाल के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है और उन्होंने सबूत के तौर पर ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। पुलिस का कहना है कि ये धमकियां कथित तौर पर अमेरिका के एक नंबर से फोन करके दी गई थीं। एफआईआर के मुताबिक, यह घटना 6 जून को हुई थी, जब तेज प्रताप और उनके सहयोगी मोतीलाल यादव कथित तौर पर पाटलिपुत्र इलाके में आकाश यादव के घर गए थे, जबकि आकाश खाटू श्याम की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने जबरन घर में घुसने की कोशिश की और वहां मौजूद परिवार के सदस्यों को धमकी दी। आकाश यादव की ओर आरोप लगाया गया है कि उनके परिवार को लेकर धमकियां दी गईं और बाद में उन्हें मोतीलाल और एक अन्य व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एक आपराधिक गिरोह का सदस्य बताया। शिकायत के अनुसार, कॉलर ने उन्हें तेज प्रताप के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कुछ भी न बोलने की चेतावनी दी।

शोपियां में लापता तीन युवक विस्फोटक के साथ गिरफ्तार, आतंकी संगठन से संबंध का शक

श्रीनगर(राजधानी चौपाल)जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान 31 मई से लापता चल रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में इनके तार आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े होने की आशंका जाहिर की गई है। सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किए युवकों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, 2.5 किलोग्राम पीईके (प्लास्टिक एक्सप्लोसिव किरकी), चार मोबाइल फोन और आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधित पोस्टर बरामद किए हैं। ये गिरफ्तारियां दक्षिण कश्मीर जिले के पुडसू इलाके से की गईं। गिरफ्तार युवकों की पहचान एजाज अहमद खांडे, अरबाज अहमद मीर और नासिर अहमद डार के रूप में हुई है, जो सभी शोपियां जिले के बेगामा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, ये तीनों 31 मई से अपने घरों से लापता थे और माना जा रहा है कि वे हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गए थे। वर्तमान में पुलिस इन तीनों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि आतंकी मॉड्यूल, भर्ती प्रक्रिया और उनके सहयोगियों के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने संकेत दिया है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां या सामग्री की बरामदगी हो सकती है। जांच एजेंसियां इनके सीमा पार के आतंकी आकाओं से संभावित संबंधों की भी पड़ताल कर रही हैं, जो क्षेत्र में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार एनकाउंटर पर बीजेपी ने उठाए सवाल, शाह और सीएम से जांच की मांग

भोजपुर(राजधानी चौपाल)बिहार के भोजपुर जिले में हुए एक पुलिस एनकाउंटर पर भारतीय जनता पार्टी ने ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बिलौटी गांव में भरत भूषण तिवारी के कथित एनकाउंटर को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बड़ी मांग की है। बीजेपी नेता सिन्हा ने घटना पर दुख जताकर कहा कि जनता के मन में उठ रहे सवालों और चिंताओं का निष्पक्ष उत्तर सामने आना चाहिए। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा संबंधित पुलिसकर्मियों के निलंबन को स्वागतयोग्य बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि न्याय केवल प्रारंभिक कार्रवाई से पूरा नहीं होता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी आशंका की गुंजाइश न रहे। सिन्हा ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में अधिकारों के दुरुपयोग या लापरवाही की पुष्टि होती है, तब दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत का नहीं, बल्कि कानून और न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास से भी जुड़ा है। दूसरी ओर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने एनकाउंटर को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी की पुलिस प्रशासन द्वारा आत्मसमर्पण के उपरांत गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी गई, जो हृदय विदारक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस निर्मम हत्या पर संज्ञान लेने और हत्यारे पुलिस प्रशासन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उच्चस्तरीय जांच का आदेश देने की अपील की। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी आग्रह किया कि वे 48 घंटे के भीतर हत्यारों को जेल भेजकर बिहार में सुशासन का परिचय दें।

सपा पर हमलावर राजभर की पार्टी में टूट का दावा, खुद के तीन विधायक बागी!

लखनऊ (राजधानी चौपाल) पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट के दावों के बीच, उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमलावर हैं। राजभर ने दावा किया था कि 23 सपा सांसद उनके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में हैं। हालांकि, अब उनके बेटे अरुण राजभर के डिबेट के दौरान खुद सुभासपा में आंतरिक कलह और टूट की खबरें सामने आई हैं। डिबेट के दौरान, अरुण ने सपा पर निशाना साधकर शिवपाल सिंह यादव के भाजपा से संपर्क साधने की बात कही, लेकिन पत्रकार ने पलटकर उनकी अपनी पार्टी के विधायकों की संख्या और निष्ठा पर सवाल उठा दिए। पत्रकार के पूछने पर कि उनकी पार्टी के कितने विधायक सपा का झंडा लगाकर घूमते हैं, अरुण ने स्वीकार किया कि उनके 7 विधायकों में से तीन विधायक इसतरह के हैं। इस पर पत्रकार ने कहा कि आपकी पार्टी खुद ही टूट गई है। इन तीन विधायकों में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी शामिल हैं, जो सुभासपा का झंडा नहीं लगाते। इसके अतिरिक्त, ओम प्रकाश राजभर द्वारा जगदीश नारायण राय से नाराजगी का जिक्र भी किया गया, यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। इतना ही नहीं दावा किया गया हैं कि सुभासपा के दो-तिहाई विधायक अखिलेश यादव के पास हैं और सपा जब चाहे उनकी पार्टी का अपने में विलय कर सकती है। हालांकि, अरुण राजभर ने दावे को सिरे से खारिज कर अपनी सफाई देकर कहा कि केवल झंडा लगाने से पार्टी नहीं टूटती। इस घटनाक्रम ने जहां सुभासपा के अंदरूनी हालात पर सवाल खड़े हुए हैं, वहीं विडंबना भी साफ दिखाई दे रही है कि जो पार्टी दूसरों में टूट का दावा कर रही थी, वह खुद ही बगावत के आरोपों से जूझ रही है।

अयोध्या राम मंदिर: सुरक्षा पर 11 माह में 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

-जांच के घेरे में कई बड़े और ताकतवर लोग

अयोध्या (राजधानी चौपाल) रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच अब सुरक्षा चूक और करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद कथित चोरी का मामला गरमा गया है। बीते 11 महीनों में मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद दान पेटियों में अनियमितता की शिकायत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अब विशेष जांच दल की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इसका दायरा सिर्फ कथित चोरी तक सीमित न रहकर पूरे सिस्टम को खंगाल रहा है, जिससे कई बड़े नाम जांच के घेरे में आ गए हैं।

17 साल से एक ही जगह तैनात आरएमओ जांच के घेरे में इस जांच में जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) का है। यह वही अधिकारी है जिसके जिम्मे मंदिर परिसर की सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी है। सूत्र बताते हैं कि यह अधिकारी लगभग 17 वर्षों से मंदिर व्यवस्था से जुड़ा हुआ है और इतने लंबे समय तक उसका तबादला न होना भी जांच के दायरे में है। एसआईटी सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्डिंग सिस्टम, बैकअप व्यवस्था, डेटा संरक्षण और तकनीकी नियंत्रण से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से जानकारी जुटा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश के सबसे सुरक्षित धार्मिक परिसरों में से एक, जहां सैकड़ों कैमरे और बहुस्तरीय सुरक्षा मौजूद है, वहां यह चूक आखिर कैसे संभव हुई? शुरुआत में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर केंद्रित रही यह जांच अब अपना दायरा बढ़ा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब उन लोगों की भूमिका भी समझने की कोशिश कर रही है जो मंदिर की सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था से सीधे जुड़े हुए हैं। इसमें तकनीकी स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी भी बड़े परिसर में होने वाली गतिविधियों को समझने के लिए केवल घटना नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का अध्ययन आवश्यक है। यह जांच अब केवल चढ़ावे की कथित चोरी तक सीमित नहीं रही है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र, प्रवेश नियंत्रण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा का विषय बन गई है। 10 करोड़ के सुरक्षा कवच के बावजूद हुई यह सेंधमारी अयोध्या की प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर गहरे सवाल छोड़ रही है, जिसके जवाब आने वाले दिनों में ही सामने आ पाएंगे।

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी, श्रद्धालुओं के मन में भी सवाल इस मामले में अब तक 125 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और सूत्रों के अनुसार, लगभग 200 लोगों से पूछताछ की योजना पर काम चल रहा है। कई कर्मचारियों को दोबारा बुलाया गया है और उनके बयान फिर से दर्ज किए जा रहे हैं, जो जांच की गंभीरता को दर्शाता है। रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी इस मामले की चर्चा साफ सुनाई दे रही है और उनके मन में भी यही सवाल है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुरक्षित धार्मिक स्थलों में से एक में ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई।

विपक्षी दलों की बगावत से मानसून सत्र में दिख सकता है राजनीतिक बदलाव का असर

-महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास कराने के कुछ ही कदम दूर है एनडीए

नईदिल्ली (राजधानी चौपाल)। देश की राजनीति ने पिछले दो हफ्तों में एक ऐसा नया मोड़ ले लिया है जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। इस पूरे राजनीतिक बदलाव का सबसे बड़ा असर संसद के आगामी मानसून सत्र में देखने को मिल सकता है, जहां सरकार एक बार फिर महिलाओं के आरक्षण पैकेज से जुड़े संविधान संशोधन और परिसीमन बिल को पास कराने की तैयारी में है।

बता दें इसी साल अप्रैल के महीने में एकजुट विपक्ष के चलते लोकसभा में यह अहम बिल मात्र 54 वोटों की कमी की वजह से गिर गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और अगर यह बिल दोबारा संसद में आता है तो इसके पास होने की संभावना तेज हो गई है। इस बड़े बदलाव की मुख्य वजह पश्चिम बंगाल में टीएमसी में हुई बगावत और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में मंडराते संकट को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत करते हुए अपना एक अलग गुट बना लिया है और वे एक नई पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं, जो अब सीधे तौर पर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनने जा रही है। दूसरी ओर महाराष्ट्र की राजनीति में भी ऐसी बगावती ऊहापोह देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे की पार्टी के नौ सांसदों में से छह सांसद पाला बदलकर शिंदे की शिवसेना के साथ जाने की तैयारी में हैं।

ऐसे में एक तरफ टीएमसी के सांसद और दूसरी ओर उद्धव गुट के सांसदों का बिखराव और बगावत देखने को मिलेगा तो यह कहना थोड़ा भी

गलत नहीं होगा कि इन तमाम सियासी उलटफेर का सीधा फायदा केंद्र की सत्ताधारी एनडीए सरकार को मिल सकता है, जो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही संविधान संशोधन बिल पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच सकती है। अब इस सियासी उठा-पटक के बीच लोकसभा के गणित को समझें तो कुल 543 सीटों में से दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सदस्यों का समर्थन जरूरी है, क्योंकि 3 सीटें फिलहाल खाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में इस समय टीएमसी के बागी सांसदों को मिलाकर एनडीए के पास कुल 318 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 184 और गैर-गठबंधन दलों के पास 38 सांसद मौजूद हैं। नियम के मुताबिक बिल पास होने के लिए सदन में वोटिंग के वक्त मौजूद सांसदों की संख्या मायने रखती है और पिछले अनुभवों के आधार पर देखें तो सरकार को दो-तिहाई का आंकड़ा छूने के लिए 54 और वोटों की जरूरत थी। देखा जाए तो अब इस जादुई आंकड़े को हासिल करना सरकार के लिए आसान हो गया है, क्योंकि टीएमसी के 20 बागी और उद्धव गुट के 6 संभावित बागी सांसदों के आने से यह कमी घटकर सिर्फ 28 वोटों की रह जाएगी।

इसके अलावा एक और बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम यह हुआ है कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके का कांग्रेस से नाता टूट चुका है और वह विपक्षी इंडिया गठबंधन से अलग हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार और डीएमके के बीच बातचीत चल रही है और अगर डीएमके की मांगें मान ली जाती हैं, तो उसके 22 सांसदों के समर्थन के साथ एनडीए का आंकड़ा 348 तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद उसे बहुमत के लिए केवल छह और वोटों की दरकार होगी।

चूंकि बचे संभावित 6 वोटों के लिए केंद्र की एनडीए सरकार की रणनीति अहम मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के बयानों के मुताबिक इस आखिरी 6 वोटों की कमी को पूरा करने के लिए बीजेपी की नजर विपक्षी गठबंधन की कुछ बेहद छोटी पार्टियों पर है, जिनमें महाराष्ट्र की एक क्षेत्रीय पार्टी भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की जरूरत है और एनडीए के पास अभी 150 सांसद हैं। अगर यहां भी डीएमके के 8 सांसदों का समर्थन मिल जाता है, तो यह आंकड़ा 158 हो जाएगा और वहां भी सरकार बहुमत से सिर्फ छह वोट दूर रह जाएगी, जिसे टीएमसी सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीटों पर उपचुनाव और अन्य छोटे दलों के सहयोग से आसानी से हासिल किया जा सकता है। कुल मिलाकर यदि केंद्र सरकार संसद के दोनों सदनों में यह जादुई आंकड़ा जुटाने में कामयाब रहती है, तो आगामी मानसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल की न सिर्फ धमाकेदार वापसी होगी बल्कि देश में एक देश एक चुनाव जैसे बड़े और कड़े कानूनों को लागू करने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

बसपा सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी पूंजीपतियों या धन्नसेठों के सहारे नहीं

-मायावती ने दिया- 5 लाख मुलाकात, 3.35 करोड़ टिकट वाले दावों पर कड़ा बयान

लखनऊ (राजधानी चौपाल) उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कथित वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो में, पाल को कथित तौर पर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती से मुलाकात के लिए पाँच लाख और पार्टी का विधानसभा टिकट हासिल करने के लिए 3.35 करोड़ रुपये की बात करते दिखाया गया है। इन गंभीर आरोपों पर अब खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी चुप्पी तोड़कर इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पूर्व सीएम मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए मार्ग पर चलने वाली, गरीब, शोषित-पीड़ित और उपेक्षितों के संवैधानिक हक व न्याय के लिए

प्रतिबद्ध सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि बसपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों या धन्नासेठों के सहारे नहीं, बल्कि अपने लोगों के तन, मन और धन के बलबूते पर चलती है। यह बात संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक और पूंजीवादी ताकतों को फूटी आँख नहीं सुहाती, और इसकारण वे चुनाव नज़दीक आने पर तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर बसपा व उसके नेतृत्व को बदनाम करने में लग जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि मीडिया का एक वर्ग अन्य पार्टियों की चुनावी जुगाड़ से ध्यान भटकाने के लिए बसपा के उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि बसपा को मिलने वाला आर्थिक सहयोग कानूनी तौर पर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ही खर्च होता है, जो किसी से छिपा नहीं है। मायावती ने बताया कि विश्वनाथ पाल ही नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य छोटे-बड़े पदाधिकारी भी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों की संभावित सूची बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि इन सवालों को उनकी पूरी फेस वैल्यू पर लिए बिना, उसकी गहराई में जाना उचित नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे विरोधी पार्टियों के इसतरह के प्रायोजित षड्यंत्रों का शिकार न हों, बल्कि अपने मिशन 2027 के लक्ष्य में पूरे जी-जान से लगे रहें। उन्होंने कहा कि बसपा की जबरदस्त तैयारियों को देखकर ही विरोधियों की नींद उड़ी हुई है। मायावती ने अपने बयान का अंत जय भीम, जय भारत के नारे के साथ किया।

क्या फिर टूटेगी एनसीपी? अब शरद पवार के नेता सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में

-शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में

मुंबई (राजधानी चौपाल) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कई नेता उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में हैं। हालांकि, अब तक किसी नेता ने सार्वजनिक तौर पर दावा नहीं किया है। खास बात है कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के 6 सांसद जल्द ही पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी में दरार हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ऐसा कहा जा रहा है। उन्होंने बताया है कि एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसद एनसीपी के साथ संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि इसे लेकर गतिविधियां जारी हैं। खबर है कि चर्चा में सांसद पार्थ पवार भी मौजूद थे। फिलहाल, ये नेता कौन हैं, इसे लेकर स्थिति अब तक साफ नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि सीनियर पवार जल्द ही सांसदों के साथ बैठक कर सकते हैं। इन घटनाक्रमों से चिंतित होकर, शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में हैं। प्रस्तावित बैठक में वह सांसदों के साथ बातचीत करेंगे, उनकी चिंताओं और शिकायतों को सुनेंगे और आंतरिक संवाद को मजबूत करेंगे। अब तक यह भी साफ नहीं हो सका है कि ये सांसद राज्यसभा से हैं या लोकसभा से। आंकड़ों के मुताबिक लोकसभा में एनसीपी एसपी के 8 सांसद हैं। जबकि, एनसीपी के पास सिर्फ 1 ही सांसद है। इधर, राज्यसभा में शरद पवार ही सांसद हैं। एनसीपी के मामले में यह आंकड़ा 4 पर है। रिपोर्ट के मुताबिक छह बागी सांसद शुक्रवार को पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल नहीं होंगे। इनके शिवसेना में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों ही गुट स्थापना दिवस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शिवसेना यूबीटी के छह सांसद इस अवसर पर शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होंगे। व्हिप जारी होने के बावजूद इन सांसदों ने अपनी पार्टी की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था।

अल-नीनो का बढ़ता खतरा: भारत के लिए अगले पांच महीने चुनौतियों से भरे

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) भारत में इस वर्ष मॉनसून की शुरुआत उम्मीद से थोड़ी धीमी रही है, जिसने देश के कई हिस्सों में चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 जून की शुरुआत में भले ही केरल पहुंच गया हो, लेकिन इसकी आमद सामान्य से कुछ विलंब से हुई, और प्रारंभिक बारिश भी कई क्षेत्रों में कमजोर दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने अब एक गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि अल-नीनो का पूरा प्रभाव अभी तक देखा नहीं गया है, और आने वाले जुलाई से नवंबर तक के महीने भारत के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकते हैं, जिसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और समग्र अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि 2026 में अल-नीनो जून में अपेक्षाकृत कमजोर रहेगा, लेकिन जुलाई-अगस्त में इसके मध्यम होने और सितंबर तक मजबूत होने की प्रबल संभावना है। एनओएए और आईएमडी जैसे प्रमुख मौसम संगठनों के अनुसार, जुलाई-अगस्त तक अल-नीनो के पूरी तरह विकसित होने की संभावना 80-90 प्रतिशत से भी अधिक है। पिछले कई दशकों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड बताते हैं कि अधिकांश अल-नीनो वर्षों में भारत को औसत से कम बारिश मिली है।

पिछले माह सामान्य से कम रही बारिश

जून 2026 के पहले दो हफ्तों में कई राज्यों में बारिश सामान्य से काफी कम रही। महाराष्ट्र जैसे कृषि प्रधान राज्यों में 70-80 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि मध्य भारत और कुछ उत्तरी हिस्सों में भी बारिश का स्तर नीचे रहा। आईएमडी के अनुसार, जून महीने में भी औसत से कम बारिश रहने की संभावना है। मॉनसून की इस देरी और कमजोर शुरुआत ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि खरीफ फसलों की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अल-नीनो का असली और गहरा असर जुलाई से सितंबर के बीच दिखेगा, जब मॉनसून अपनी चरम अवस्था में होता है। यदि अल-नीनो मजबूत होता है, तो अगस्त-सितंबर में बारिश में और भी कमी आ सकती है। इससे देश के जलाशयों में पानी की कमी, नदियों के सूखने और भूजल स्तर में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं और विकराल रूप ले सकती हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, जहाँ लगभग 50-60 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी हुई है। खरीफ सीजन (जून-सितंबर) में धान, मक्का, सोयाबीन, कपास और दालें जैसी महत्वपूर्ण फसलें बोई जाती हैं। कम बारिश से इन फसलों की पैदावार में भारी कमी आ सकती है। पिछले अल-नीनो वर्षों में सूखे के कारण किसानों की आय घटी, उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा और कई जगहों पर आत्महत्या की घटनाएं भी बढ़ीं। 2026 में यदि बारिश 90 प्रतिशत या उससे कम रहती है, तो खाद्यान्न उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जिससे देश के सामने खाद्य सुरक्षा की बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। ऐसी स्थिति में सरकार को अनाज का आयात बढ़ाना पड़ सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि इन इलाकों में वर्षा आधारित खेती अधिक होती है। छोटे किसान, जिनके पास सिंचाई की पर्याप्त

सुविधा नहीं है, वे इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। पशुपालन भी प्रभावित होगा, क्योंकि चारे की कमी हो सकती है। कम बारिश का सीधा मतलब है जल संकट का गहराना। देश के कई शहरों और गांवों में पहले से ही पानी की समस्या है, और मॉनसून कमजोर रहने पर पीने के पानी, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की कमी और बढ़ेगी। बिजली उत्पादन भी प्रभावित होगा, क्योंकि हाइड्रो पावर प्लांट पानी पर निर्भर करते हैं। अल-नीनो से तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे गर्मी पहले से ही रिकॉर्ड तोड़ रही है।

पंचकूला में पीएम-किसान सम्मान निधि की २३वीं किस्त जारी, १५.९ लाख किसानों के खातों में पहुंचे ३१९ करोड़ रुपये

पंचकूला (राजधानी चौपाल) : हरियाणा के झज्जर और चरखी 20 जून को पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय 'पीएम किसान उत्सव दिवस' कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के 15.9 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त का लाभ मिला। किसानों के खातों में सीधे 319.1 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि को लाभकारी बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि योजना शुरू होने के बाद से अब तक हरियाणा के किसानों को कुल 7,881 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) व्यवस्था के कारण किसानों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभ मिल रहा है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। सैनी ने कहा कि हरियाणा देश का ऐसा राज्य है जहां 24 फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीद की व्यवस्था की गई है। पिछले वर्षों में किसानों को लगभग 1.8 लाख करोड़ रुपये का भुगतान सीधे उनके खातों में किया गया है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे अभियानों का भी उल्लेख किया और बताया कि लाखों किसान इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में कृषि अधिकारियों, किसान संगठनों और बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। किसानों ने सरकार द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता और कृषि योजनाओं को खेती के लिए सहायक बताया।

झज्जर-चरखी दादरी की टीम ने बिहार में पकड़ा भ्रूण लिंग जांच रैकेट, चार आरोपी गिरफ्तार

झज्जर (राजधानी चौपाल) : हरियाणा के झज्जर और चरखी दादरी जिलों की पीसी-पीएनडीटी टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार के गया जिले में अंतरराज्यीय भ्रूण लिंग जांच रैकेट का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त अभियान के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों पर गर्भवती महिलाओं को अवैध रूप से भ्रूण का लिंग बताने का आरोप है। स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिली थी कि हरियाणा से महिलाओं को बिहार ले जाकर अवैध रूप से लिंग जांच कराई जा रही है। इसके बाद अधिकारियों ने एक डिकॉय ऑपरेशन चलाया। जांच के दौरान आरोपियों ने कथित रूप से मोटी रकम लेकर भ्रूण का लिंग बताने की पेशकश की। जैसे ही टीम को पुख्ता जानकारी मिली, बिहार में छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि भ्रूण लिंग जांच और कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने आम जनता से भी ऐसी गतिविधियों की सूचना प्रशासन को देने की अपील की है।

२३ जून तक हरियाणा में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट, मौसम विभाग ने लोगों को किया सतर्क

हिसार (राजधानी चौपाल): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) हिसार के मौसम वैज्ञानिकों ने प्रदेश में 23 जून तक मौसम के अस्थिर रहने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बादल छाए रह सकते हैं। कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। विभाग ने किसानों को मौसम को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्य करने की सलाह दी है। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है। बिजली के खंभों और बड़े पेड़ों के नीचे खड़े न होने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

झज्जर-चरखी दादरी की टीम ने बिहार में पकड़ा भ्रूण लिंग जांच रैकेट, चार आरोपी गिरफ्तार

हिसार (राजधानी चौपाल): नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हिसार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तस्करों की 78 लाख रुपये से अधिक मूल्य की संपत्ति जब्त की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई का उद्देश्य केवल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं बल्कि उनके आर्थिक नेटवर्क को भी समाप्त करना है। जांच के दौरान कई वाहन और अन्य संपत्तियां जब्त की गईं, जिनका उपयोग कथित रूप से नशा तस्करी में किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से इस संबंध में विस्तृत जांच चल रही थी। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद संपत्ति जब्ती की कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की। प्रशासन का मानना है कि इस कार्रवाई से नशा तस्करों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

गुरुग्राम में अवैध निर्माणों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, कई इमारतों को किया गया ध्वस्त

गुरुग्राम (राजधानीचौपाल): गुरुग्राम प्रशासन ने शहर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए कई अवैध इमारतों और निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया। अधिकारियों के अनुसार कई बार नोटिस जारी करने के बावजूद संबंधित लोगों ने निर्माण नहीं हटाया था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। कार्रवाई के दौरान कई क्षेत्रों में लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में रखा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। आने वाले दिनों में भी ऐसे निर्माणों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

रोहतक में रोजगार मेले में उमड़े हजारों युवा, निजी कंपनियों ने दिए साक्षात्कार

रोहतक (राजधानी चौपाल) : रोहतक में जिला प्रशासन और कौशल विकास विभाग की ओर से आयोजित रोजगार मेले में हजारों युवाओं ने भाग लिया। मेले में विभिन्न निजी कंपनियों और औद्योगिक संस्थानों ने अपने स्टॉल लगाए और अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र और नौकरी तलाश रहे युवा पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि कई कंपनियों ने मौके पर ही योग्य उम्मीदवारों का चयन किया। रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को अपने जिले में ही रोजगार के अवसर

करनाल में मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा, जलभराव रोकने के लिए अधिकारियों को निर्देश

करनाल (राजधानी चौपाल) : रोहतक में जिला प्रशासन और कौशल मानसून के आगमन को देखते हुए करनाल में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बारिश के दौरान जलभराव और अन्य समस्याओं से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने नगर निगम और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि शहर के संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है और वहां विशेष निगरानी रखी जाएगी। अधिकारियों को आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया है। प्रशासन का लक्ष्य मानसून के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न होने देना है।

फरीदाबाद में साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश, लाखों रुपये की ६ोखाधड़ी का खुलासा

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल) : फरीदाबाद साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कई आरोपियों को हिरासत में लिया है। जांच में सामने आया कि आरोपी फर्जी कॉल और ऑनलाइन लिंक भेजकर लोगों से बैंकिंग जानकारी हासिल करते थे और उनके खातों से रकम निकाल लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, बैंक खाते और अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं। अधिकारियों ने लोगों से अनजान लिंक पर क्लिक न करने और अपनी बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करने की अपील की है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

अंबाला रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण कार्य में तेजी, यात्रियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

अंबाला (राजधानी चौपाल) : अंबाला रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और आधुनिकीकरण कार्य को तेज कर दिया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई नई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें आधुनिक प्रतीक्षालय, बेहतर पार्किंग, एस्केलेटर और डिजिटल सूचना प्रणाली शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना पूरी होने के बाद यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित यात्रा अनुभव मिलेगा। स्थानीय लोगों ने भी स्टेशन के आधुनिकीकरण का स्वागत किया है।

जींद में आंधी और बारिश से बिजली व्यवस्था चरमराई, कई क्षेत्रों में घंटों बाधित रही आपूर्ति

जींद (राजधानी चौपाल) : जींद जिले में हाल ही में आई तेज आंधी और बारिश के कारण बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई। कई स्थानों पर बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त होने से आपूर्ति बाधित रही। बिजली निगम की टीमों ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य शुरू किया और अधिकांश क्षेत्रों में आपूर्ति बहाल कर दी।

अधिकारियों के अनुसार खराब मौसम के कारण कई ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिजली संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। विभाग ने लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की और जल्द से जल्द सभी क्षेत्रों में व्यवस्था सामान्य करने का भरोसा दिया।

कुरुक्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी, कई विकास परियोजनाओं को मिली मंजूरी

कुरुक्षेत्र (राजधानीचौपाल): धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी कुरुक्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। प्रशासन और पर्यटन विभाग की बैठक में तीर्थ स्थलों के सौंदर्यीकरण, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और पर्यटकों के लिए नई व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों का कहना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

भिवानी में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर,

भिवानी (राजधानी चौपाल) : धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी कुरुभिवानी जिले में कृषि विभाग की ओर से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में किसानों को रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग, जैविक खाद के महत्व और कम लागत वाली खेती की तकनीकों की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और उत्पादन लागत कम होती है। किसानों ने भी प्रशिक्षण में रुचि दिखाई और नई तकनीकों को अपनाने की इच्छा व्यक्त की। प्रशासन का कहना है कि ऐसे कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे।के नए अवसर भी पैदा होंगे।

कम नींद लेने पर डायबिटीज मरीजों को हो सकती हैं ये दिक्कत

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको कम सेक कम 8 घंटे की नींद लेना चाहिए, नहीं तो आपकी सेहत को भारी नुकसान हो सकता है।

पर्याप्त नींद सेहत की कुंजी होती है। नींद खराब यानी आपकी सेहत खराब। नींद की कमी के कारण हम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। खासकर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आपको पर्याप्त नींद लेना काफी जरूरी होता है,नहीं तो इससे आपकी स्थिति और भी बदतर हो सकती है। आइए जानते हैं कम नींद लेने पर डायबिटीज के मरीजों को क्या-क्या दिक्कत हो सकती है।

डायबिटीज एक ऐसी समस्या है जिसका कोई इलाज नहीं है,यह एक बार हो जाता है तो यह आपके जीवन भर का साथी बन जाता है। इसमें पैंक्रियाज सही मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाते हैं या सेल्स इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं,इसके कारण ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

हो सकती हैं ये दिक्कत

एक्सपर्ट के मुताबिक नींद की कमी आपके ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकती है। जो लोग 6 घंटे से कम नींद लेते हैं उनके शरीर में हार्मोन की गड़बड़ी होने लगती है,इसका सीधा असर आपके ब्लड शुगर पर पड़ सकता है। स्लीप साइकिल छोटी होने पर ब्लड वेसल को नुकसान पहुंच सकता है। देर से सोने से आपका इंसुलिन प्रतिरोध खराब हो सकता है। इसके कारण दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंच सकता है। अगर आप प्री-डायबिटिक हैं और कम नींद लेते हैं तो आप डायबिटीज के शिकार हो सकते हैं।

डायबिटीज के मरीज ऐसे रखें अपना ख्याल

- एक्सरसाइज करें
- 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें।
- सोने का सही पैटर्न सेट करें
- हेल्दी डाइट लें।
- तंबाकू और शराब से दूरी बनाएं।

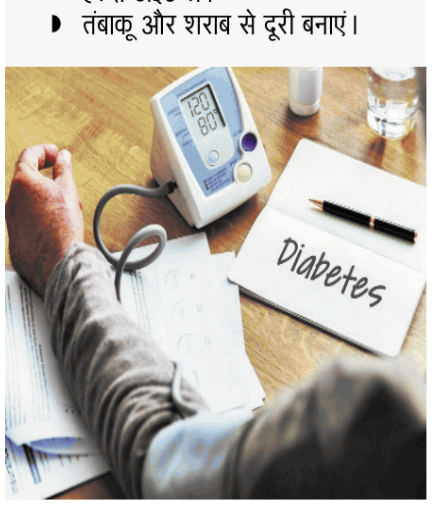

साइलेंट डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इसके लक्षण लंबे समय तक नजर नहीं आते हैं जिसकी वजह से कई बार इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है।

क्या है साइलेंट डिहाइड्रेशन? समय रहते पहचानना है बेहद जरूरी

यूं तो डिहाइड्रेशन की समस्या किसी भी मौसम में हो सकती है । हमारे शरीर को हेल्दी रहने और सही तरह से फंक्शन करने के लिए पानी की बहुत जरूरत होती है। शरीर से टॉक्सिन्स, यूरिन और पसीने के जरिए पानी बाहर निकलता है। जितनी मात्रा में पानी हमारे शरीर से बाहर जा रहा है उसके अनुपात में जब हम पानी नहीं पीते हैं तो डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर आने लगते हैं। डिहाइड्रेशन होने पर चक्कर आना, त्वचा से जुड़ी समस्याएं, किडनी या लिवर का ठीक तरह से काम न करना और भी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर न आने पर भी आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं। इसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। इसके लक्षण बहुत बाद में सामने आते हैं जिसके चलते कई हेल्थ प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इस बारे में हमने पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट,डाइटीशियन, स्वाति बथवाल से बातचीत की। आइए जानते हैं साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है और कैसे इससे बचा जा सकता है।

साइलेंट डिहाइड्रेशन क्या होता है?

डिहाइड्रेशन की समस्या बहुत आम है। इस समस्या के कई लक्षण शरीर में दिखाई देते हैं जिनमें कमजोरी लगना, प्यास लगना, मुंह सूखना या फिर चक्कर आना शामिल हैं। अगर आपको इनमें से कोई लक्षण महसूस नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आपको डिहाइड्रेशन ही समस्या नहीं है। कई बार डिहाइड्रेशन के लक्षण नजर नहीं आते हैं, इसे साइलेंट डिहाइड्रेशन कहा जाता है। यह डिहाइड्रेशन से अधिक खतरनाक होता है क्योंकि इस स्थिति में आप पहचान ही नहीं पाते हैं कि आपका शरीर डिहाइड्रेशन से जूझ रहा है।

क्या होती है वजहें?

डिहाइड्रेशन के पीछे और भी कई कारण हो सकते हैं। जिनमें डायरिया, अधिक पसीना आना, उल्टी होना या फिर पानी कम पीना शामिल हैं। डिहाइड्रेशन के दौरान हमारे शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स जैसे कि क्लोराइड, पोटेशियम और सोडियम की भी कमी हो जाती है। इस कमी को तुरंत पूरा किया जाना बहुत जरूरी है। ये सभी इलेक्ट्रोलाइट्स हमारी सेल्स के सही तरह से काम करने के लिए बहुत जरूरी है और अगर तुरंत इनकी कमी को पूरा नहीं किया गया तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

कितना पानी है सही?

एक्सपर्ट की मानें तो दिन भर में आपको 35ml/kgBW/day पानी पीना चाहिए। इसे आसान भाषा में समझते हैं। अगर आपका वजन 50 किलो है तो आपको एक दिन में लगभग 35x 50 = 1.5 लीटर पानी पीना चाहिए। इसके साथ ही गर्मियों में पसीने के जरिए शरीर से जो पानी निकलता है उसकी कमी भी पूरी होनी चाहिए।

क्या करें?

- हाइड्रेट रहने के लिए सिप करते हुए पानी पिएं। दिन भर में 1-2 गिलास पानी/शरबत/नींबू पानी चुटकी भर नमक डालकर पिएं।
- कई बार काम के बीच हम पानी पीना भूल जाते हैं या प्यास लगने पर भी इग्नोर कर देते हैं। ऐसा बिल्कुल भी न करें।
- तरबूज, खरबूज, खीरा(खीरे के जूस के फायदे) और ककड़ी जिन चीजों में पानी की मात्रा अधिक होती है, उनका सेवन करें।
- एक्सरसाइज करने से पहले और बाद में अपना वजन चेक करें। अगर आपके वजन में 1 किलो का अंतर है तो अपनी डाइट में 1.5 लीटर पानी को शामिल करें। हाइड्रेशन सिर्फ पानी से नहीं आता है बल्कि शरबत, शिकंजी और चिया सीड्स भी हाइड्रेशन के लिए अच्छे माने जाते हैं।
- इसके साथ ही हाइड्रेटिंग फरूट्स जैसे तरबूज, ककड़ी, खीरा, कोकम शर्बत और बेल को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। इससे आपको हाइड्रेशन भी मिलता है और शरीर को ठंडक भी मिलती है। ये सब शरीर के तापमान को कम करने में भी मदद करते हैं।
- अगर आप कॉफी, सोडा, कैफीन वाली ड्रिंक्स या एल्कोहल पीते हैं तो भी आप डिहाइड्रेटेड हो सकते हैं इसलिए एक कप कॉफी से कुछ देर बाद एक गिलास पानी पिएं।
- पानी की मात्रा भी शरीर में जरूरत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ज्यादा पानी पीने से शरीर में सोडियम लेवल कम हो सकता है जो जानलेवा भी हो सकता है।

डिहाइड्रेशन के कारण बिगड़ सकती है चेहरे की रंगत

अक्सर लोगों को लगता है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में ही होता है। लेकिन, ऐसा नहीं है। डिहाइड्रेशन का असर, हमारी स्किन पर भी होता है। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है।

शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन हो सकता है। शरीर के सही तरह से फंक्शन करने के लिए, पानी की सही मात्रा बहुत जरूरी है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो इसका असर बॉडी फंक्शन्स पर होता है। गर्मियों के मौसम में तापमान बढ़ने पर डिहाइड्रेशन के मामले ज्यादा सामने आने लगते हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि डिहाइड्रेशन सिर्फ गर्मियों में होता है। हालांकि, गर्मियों में इसका खतरा ज्यादा रहता है क्योंकि शरीर से जिस अनुपात में यूरिन और पसीने के जरिए, पानी बाहर जाता है, जब हम उसके अनुपात में पानी नहीं पीते हैं, तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है। डिहाइड्रेशन का असर शरीर के काम पर तो होता ही है। लेकिन, साथ ही इसके कुछ संकेत स्किन पर भी नजर आने लगते हैं। इसके कारण चेहरे की रंगत भी फीकी पड़ सकती है। डिहाइड्रेशन किस तरह हमारे चेहरे की रंगत को फीका कर सकता है, एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप कम मात्रा में पानी पीते हैं, तो इसका असर आपकी स्किन पर भी हो सकता है।

- स्किन को हेल्दी रखने में पानी की अहम भूमिका है और यही कारण है कि जब आप कम पानी पीती हैं, तो इससे स्किन की रंगत खोने लगती है।
- डिहाइड्रेशन के कारण, स्किन रूखी और बेजान लगने लगती है।
- जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ऑयल प्रोडक्शन बढ़ जाता है और इसके कारण, एक्ने होने लगते हैं।
- पानी की कमी के कारण, स्किन पर कालापन भी नजर आ सकता है।
- इसके कारण समय से पहले स्किन पर एजिंग के साइन्स दिखाई देते हैं और त्वचा की कसावट और लचीलापन कम होने लगता है।
- डिहाइड्रेशन की वजह से स्किन पर रैशेज भी हो सकते हैं।
- आपकी स्किन किसी भी टाइप की हो, पानी की कमी होने पर, यह अपनी चमक खोने लगती है।
- इसके कारण आंखों के नीचे स्वेलिंग या काले घेरे भी हो सकते हैं।
- स्किन हेल्थ के लिए, 8 से 10 गिलास पानी पीना बहुत जरूरी है।

सेहतमंद रहने के लिए, सही मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इन्हें एक्सपर्ट के बताए तरीके से इस्तेमाल करें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

ऐसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट और जानें शरीर को कितने पानी की है जरूरत

शरीर में पानी की जरूरत कितनी होती है और डिहाइड्रेटेड होने पर क्या-क्या हो सकता है इसके बारे में तो आप जानते ही होंगे। दरअसल, शरीर की असली ताकत सभी विटामिन-मिनरल्स के साथ-साथ सही हाइड्रेशन पर भी निर्भर रहती है और अगर आपने इसपर ध्यान नहीं दिया तो ये भी हो सकता है कि आपके साथ कई तरह की समस्याएं हो जाएं जैसे स्किन प्रॉब्लम्स, हीट स्ट्रोक, किडनी या लिवर का ठीक तरह से फंक्शन न करना, वॉटर रिटेंशन की समस्या आदि। ऐसे में कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें इसके बारे में जानकारी ही नहीं होती कि कब वो डिहाइड्रेट हो रहे हैं और कैसे वो इसे सुधारें। सबसे पहले हमें ये जानना जरूरी है कि हम खुद से ही अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे करें। इसके लिए सेलेब न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये बताया है कि हम खुद ही स्किन के जरिए अपना डिहाइड्रेशन टेस्ट कैसे कर सकते हैं। हमारी स्किन हमें बता सकती है कि शरीर को पानी की जरूरत है या फिर नहीं है।

कैसे करें डिहाइड्रेशन टेस्ट?

स्किन के डिहाइड्रेट होने से ये पता लगाया जा सकता है कि हमारा शरीर कितना डिहाइड्रेटेड है। पूजा मखीजा का कहना है कि अगर आप ट्रैवल कर रहे हैं या फिर आप बहुत देर से कोई काम कर रहे हैं तो ये टेस्ट जरूर कर लेना चाहिए। इसके लिए आप स्किन को बेस बना सकते हैं।

क्या करें-

उंगलियों के नकल्स (उंगलियों के जोड़ों की स्किन) को पिंच करके उठाएं।

अगर वो एकदम से नीचे चली जाती है तो शरीर डिहाइड्रेटेड नहीं है।

अगर ये नीचे जाने में थोड़ा समय लेती है तो आपका शरीर डिहाइड्रेटेड है।

ये टेस्ट आप नॉर्मल स्किन पर भी कर सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छे नतीजे नकल्स की स्किन पर ही होते हैं।

डिहाइड्रेशन को दूर करने के लिए सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप धीरे-धीरे सिप-सिप कर पानी पिएं। एकदम से प्यास लगने पर पूरा 1 ग्लास पानी पी जाना हमें अच्छा तो लगता है, लेकिन यकीन मानिए ये डिहाइड्रेशन पर कोई खास असर नहीं करता है। आपको इसके लिए ठीक तरह से पानी पीना होगा। अगर पूरे दिन में आप थोड़ी-थोड़ी देर में सिप-सिप कर पानी पीते हैं तो शरीर ज्यादा बेहतर तरीके से हाइड्रेट रह सकेगा।

किन तरीकों से कम किया जा सकता है डिहाइड्रेशन-

- अगर आपको लग रहा है कि शरीर डिहाइड्रेटेड है तो आप उसे ठीक करने के लिए ये तरीके अपना सकते हैं-
- अगर शरीर डिहाइड्रेट हो रहा है तो बल्ड शुगर लेवल भी कम होता है ऐसे में ग्लूकोज का पानी लेना सही हो सकता है।
- अगर आपको बार-बार वीकनेस फील हो रही है तो आप नारियल पानी पी सकते हैं।
- अगर कहीं ट्रैवल कर रहे हैं तो हमेशा अपने साथ पानी की बोतल रखें। आप खीरा आदि खाकर भी डिहाइड्रेशन को कम कर सकते हैं।
- अगर आपको लग रहा है कि गर्मी और धूप के कारण चक्कर आ रहा है तो छांव में जाकर शरीर को ठंडा करने की कोशिश करें और फिर थोड़ा सा पानी पिएं। एकदम से पानी पीना सही नहीं होगा।
- अगर डिहाइड्रेशन के कारण उल्टी-दस्त शुरू हो गए हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

धोनी से आगे निकले रोहित

● सचिन, युवराज, सहवाग इस नंबर पर; लिस्ट-ए में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-11 भारतीय

भारत के पूर्व कप्तान व ओपनर बैटर रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 39 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और लिस्ट ए क्रिकेट में अपने 14 हजार रन पूरे किए। यही नहीं लिस्ट ए क्रिकेट में वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में एमएस धोनी से आगे हैं।

रोहित शर्मा के लिस्ट ए क्रिकेट में अब 345 पारियों में 14,038 रन हो गए हैं और वो एमएस से इस लिस्ट में आगे हैं जिनके लिस्ट ए क्रिकेट में 365 पारियों में 13,353 रन थे। लिस्ट ए क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम पर दर्ज है जिन्होंने 538 पारियों में 21,999 रन बनाए थे जबकि विराट कोहली 334 पारियों में 16,447 रन बना चुके हैं और वो दूसरे स्थान पर मौजूद हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर्स में पूर्व कप्तान सौरव गांगुली तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 421 पारियों में 15,622 रन बनाए थे जबकि राहुल द्रविड़ ने 416 पारियों में 15,271 रन बनाए थे और वो सूची में चौथे नंबर पर हैं जबकि रोहित शर्मा पांचवें तो धोनी छठे स्थान पर हैं। युवराज सिंह इस लिस्ट में 8वें नंबर पर हैं जिन्होंने लिस्ट ए में खेले 389 मैचों में कुल 12,663 रन बनाए थे जबकि वीरेंद्र सहवाग 10वें नंबर पर हैं जिन्होंने 321 पारियों में कुल 10,454 रन बनाए थे। शिखर धवन 9वें तो गौतम गंभीर 11वें स्थान पर हैं।

वैभव सूर्यवंशी नहीं, सूर्यांश शेडगे है नंबर 1

● प्रियांश-ऋतुराज दूसरे पर; ट्राई सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट

श्रीलंका में जारी वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में इंडिया ए ने जगह बना ली है। इस सीरीज में पहले चार मैचों के बाद अगर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज की बात करें तो वैभव सूर्यवंशी इस मामले में नंबर 1 पर नहीं हैं। आईपीएल 2026 में रिकॉर्ड 72 छक्के लगाने वाले वैभव मौजूदा ट्राई सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले संयुक्त रूप से दूसरे खिलाड़ी हैं। इस मामले में नंबर 1 खिलाड़ी की बात करें तो पंजाब किंग्स के युवा खिलाड़ी और इंडिया ए को पिछले मैच में मुसीबत में संभालने वाले सूर्यांश शेडगे नंबर 1 पर हैं। जी हां सूर्यांश ने अभी तक इस ट्राई सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाए हैं। जबकि वैभव सूर्यवंशी, प्रियांश आर्या और ऋतुराज गायकवाड़ संयुक्त रूप से नंबर 3 पर हैं। श्रीलंका ए के अविष्का फर्नान्डो ने भी इन तीनों भारतीय खिलाड़ियों के बराबर छक्के लगाए हैं।

कांगो की मजबूत डिफेंस के आगे

बेबस दिखे रोनाल्डो

पुर्तगाल को नहीं मिल पाई जीत

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-K के मुकाबले में पुर्तगाल को कांगो के खिलाफ ड्रॉ खेलना पड़ा और ये टीम जीत के साथ इस सीजन की शुरुआत नहीं कर पाई। एक तरफ जहां मेसी ने अपने पहले मुकाबले में 3 गोल दागे तो वहीं दुनिया के दिग्गज फुटबॉल प्लेयर क्रिस्टियानो रोनाल्डो कांगो के मजबूत डिफेंस को नहीं भेद पाए और अपनी टीम के लिए एक भी गोल नहीं कर पाए। कांगो और पुर्तगाल के बीच खेला गया मैच 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस ड्रॉ के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

रोमांचक रहा कांगो बनाम पुर्तगाल मुकाबला– कांगो और पुर्तगाल के बीच का मैच ह्यूस्टन स्टेडियम में खेला गया था जिसमें पुर्तगाल ने शुरू से ही अपना दबदबा बनाया और छठे मिनट में ही इस टीम के लिए पहला गोल जोआओ नेवेस ने दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। नेवेस ने पेड्रो नेटो के शानदार क्रॉस पर बेहतरीन हेडर लगाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाने का काम किया। 0-1 से पिछड़ने के बाद कांगो ने पूरा जोर लगाया, लेकिन पहले हाफ के आखिरी समय तक ये टीम कोई गोल नहीं कर पाई, लेकिन पहले हाफ के एक्स्ट्रा टाइम में आर्थर मासुआकू के सटीक क्रॉस पर योआने विस्सा ने दमदार हेडर लगाकर इतिहास रच दिया और गोल करते हुए टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

घाना ने पनामा को 1-0 से हराया

कालेब यिरेंकी बने जीत के नायक

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत घाना ने जीत के साथ की है। ग्रुप एल के मुकाबले में घाना ने कालेब यिरेंकी के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत पनामा को 1–0 से मात दी। मैच की शुरुआत में पनामा ने अच्छा खेल दिखाया। आमिर मुरिलो के लो क्रॉस पर सेसिलियो वाटरमैन को गोल का मौका मिला, लेकिन घाना के गोलकीपर बेंजामिन असारे ने डाइव लगाते हुए शानदार बचाव किया। इसके बाद पनामा को एक और मौका मिला, जब असारे का खराब पंच सीधे जियोवानी रामोस के पास गिरा, लेकिन वह भी इसे गोल में तब्दील नहीं सके। घाना ने भी जवाबी हमले किए और दूसरे हाफ में दोनों टीमों की तरफ से आक्रामक खेल देखने को मिला। क्रिस्टियन मार्टिनेज ने एक ढीली गेंद पर शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन उनका प्रयास साइड नेटिंग में चला गया और टीम बढ़त नहीं ले सकी।

ऑस्ट्रिया ने जीत के साथ किया आगाज, जॉर्डन को 3-1 से हराया

सांता क्लारा। फीफा वर्ल्ड कप में 28 साल में अपना पहला मैच खेलने उतरी ऑस्ट्रिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन को रोमांचक मुकाबले में 3–1 से हराया। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में वर्ल्ड कप में अपना डेब्यू करने वाली जॉर्डन की टीम ने ऑस्ट्रिया को कड़ी टक्कर देने का पूरा प्रयास किया, लेकिन टीम को अपनी गलतियों के कारण खामियाजा भुगतना पड़ा। मैच की शुरुआत में ऑस्ट्रिया को जॉर्डन की तरफ से कड़ी चुनौती मिली। मैच के दूसरे मिनट में जॉर्डन के कप्तान एहसान हद्दाद ने पहला मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट साइड नेटिंग में चला गया। इसके बाद ओदेह फखौरी ने भी दूर से शानदार प्रयास किया, जिसे ऑस्ट्रिया के गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लेगर ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल में जाने से रोक दिया। शुरुआती दबाव झेलने के बाद ऑस्ट्रिया ने 20वें मिनट में मैच का पहला गोल करते हुए बढ़त हासिल की।

रोमानो शिमड ने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया और टीम को 1–0 से आगे कर दिया। पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद जॉर्डन की टीम ने लगातार लड़ाई जारी रखी। दूसरे हाफ की शुरुआत के कुछ ही मिनट बाद अली ओलवान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रियाई डिफेंडरों को छकाते हुए बेहतरीन गोल किया। ओलवान वर्ल्ड कप में गोल करने वाले जॉर्डन के पहले खिलाड़ी बने। इस गोल से स्कोर 1–1 हो गया। इसके बाद दोनों टीमों की तरफ से गोल करने के प्रयास जारी रहे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हैरी केन का कमाल

अर्लिंग्टन। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में हैरी केन ने इंग्लैंड की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई। केन के दो दमदार गोल की बदौलत इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4–2 से हराया। केन ने इन दो गोल के साथ ही खास उपलब्धि को भी अपने नाम कर लिया है। हैरी केन इंग्लैंड की ओर से फीफा वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में संयुक्त रूप से पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में पूर्व कप्तान गैरी लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की। केन विश्व कप में अब लिनेकर के बराबर 10 गोल कर चुके हैं। इस मुकाबले से पहले लिनेकर की बराबरी करने के लिए केन को 2 गोल की दरकार थी।

भारत ने 2-0 की बढ़त बनाई

● अफगानिस्तान का विजय रथ रुका ● कप्तान गिल पहली बार वनडे सीरीज जीते

लखनऊ में बुधवार (17 जून) को भारत ने अफगानिस्तान को 170 रनों से हराकर 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। इसके साथ ही अफगानिस्तान का 27 महीने से चला आ रहा विजय रथ रुक गया। इस दौरान अफगानिस्तान ने लगातार 5 द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीता था। भारत ने कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में पहली बार वनडे सीरीज जीता। यह उनकी कप्तानी में तीसरी सीरीज है। अफगानिस्तान ने मार्च 2024 में आयरलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज 2-0 से अपने नाम की थी। इसके बाद उसने 2024 में ही साउथ अफ्रीका के 2-1, बांग्लादेश को 2-1 से हराया। दिसंबर 2021 में जिम्बाबवे को 2-0 और अक्टूबर 2025 में बांग्लादेश को 3-0 से हराया था।

शुभमन गिल का शानदार प्रदर्शन

शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर बल्ले से भी शानदार प्रदर्शन किया है। वह कप्तान के तौर पर 8 मैच में 3 अर्धशतक और एक शतक जड़ चुके हैं। गिल ने न्यूजीलैंड सीरीज में 2 अर्धशतक जड़े थे। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में 110 गेंद पर 154 रन ठोके। उन्होंने 22 चौके और 2 छक्के लगाए।

शुभमन गिल ने वनडे में भारत के कप्तान के तौर पर पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अगुआई की थी। भारत यह सीरीज 2–1 से हारा। जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड ने भारत को 2–1 से हराया। इन दोनों सीरीज के बीच साउथ अफ्रीका को भारत ने 2–1 से हराया, लेकिन गिल चोटिल होने के कारण सीरीज में नहीं खेले थे। केएल राहुल ने कमान संभाली थी। ऐसे में गिल की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ 2–0 की बढ़त बनाकर पहली बार सीरीज अपने नाम की।

● शैफाली का ऑलराउंड प्रदर्शन, श्री चरणी ने झटके 4 विकेट

भारत ने नीदरलैंड्स को 95 रनों से हराया

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 10वें मैच में बुधवार (17 जून) को भारत ने नीदरलैंड्स को 95 रनों से हरा दिया। उसने पहली बार महिला टी20 विश्व कप में रन के हिसाब से सबसे बड़ी जीत दर्ज की। नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 209 रन बनाए। शैफाली वर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप में पहला अर्धशतक जड़ा। स्मृति मंधाना ने लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ा। दोनों ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की।

नीदरलैंड्स की टीम 210 रनों के लक्ष्य के जवाब में 114 रन पर आउट हो गई। श्री चरणी ने चार विकेट लिए। शैफाली वर्मा ने गेंद से भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए। भारतीय टीम लगातार दूसरा मैच जीतकर अंक तालिका में ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंची। भारत के लिए चिंता का विषय श्रेयांका पाटिल का चोटिल होना है। वह सिर्फ 1 गेंद करने के बाद मैदान से बार गईं।

भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 47 गेंद पर 74, शैफाली वर्मा ने 38 गेंद पर 55, जेमिमा रोड्रिग्स ने 19, हरमनप्रीत कौर ने 12 रन बनाए और यस्तिका भाटिया ने 3 रन बनाए। ऋचा घोष 8 गेंद पर 20 और दीप्ति शर्मा 2 गेंद पर 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। नीदरलैंड्स के लिए कैरोलिन डी लैंग ने 2 विकेट लिए। आइरिस ज़्विलिंग, हीथर सीगर्स और मर्थे वैन डेन राड ने 1-1 विकेट लिए।

● महिला टी20 वर्ल्डकप में बना अनचाहा रिकॉर्ड

4 खिलाड़ी हुए रन आउट

भारत से आगे निकल गया पाकिस्तान

इंग्लैंड में खेले जा रहे महिला टी20 विश्व कप 2026 का 11वां मैच पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। इस मैच में साउथ अफ्रीका को 2 विकेट से जीत मिली, लेकिन पाकिस्तान की चार खिलाड़ी इस मैच में रन आउट हुई और भारत का एक बड़ा रिकॉर्ड इस टीम ने तोड़ डाला।

इस मैच में पाकिस्तान की टीम ने कप्तान सना मीर की नाबाद 55 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में 9 विकेट पर 126 रन बनाए और इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम ने 16.5 ओवर में 8 विकेट पर 127 रन बनाकर मैच को जीत लिया। इस वर्ल्ड कप में ये पाकिस्तान की लगातार दूसरी हार रही तो वहीं साउथ अफ्रीका की दूसरे मैच में पहली जीत भी रही। पाकिस्तान का अंकतालिका में अब तक खाता नहीं खुला है जबकि साउथ अफ्रीका के अब दो अंक हो गए।

पाकिस्तान ने तोड़ा भारत का रिकॉर्ड

इस मुकाबले में यानी साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में पाकिस्तान की 4 बल्लेबाज रन आउट हो गईं। रमीन शमीम, इराम जावेद, नशरा सिंधू और तूबा हसन इस मैच में रन आउट हुए और इन 4 खिलाड़ियों के रन आउट होते ही पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया।

● शैफाली वर्मा ने जड़ा अर्धशतक

6 साल का सूखा खत्म किया

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बुधवार (17 जून) को नीदरलैंड्स के खिलाफ भारतीय ओपनर शैफाली वर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ा। शैफाली का यह टी20 वर्ल्ड कप में पहला अर्धशतक था। इसके साथ ही उन्होंने 6 साल और 15 पारियों का सूखा खत्म किया। शैफाली का यह चौथा टी20 विश्व कप है। उन्होंने पहला टी20 विश्व कप 2020 में खेला था। यह शैफाली का चौथा टी20 विश्व कप है।

नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। शैफाली वर्मा ने स्मृति मंधाना के साथ मिलकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 11.4 ओवर में 115 रन जोड़े। शैफाली ने अपनी पारी में 10 चौके लगाए और 144.74 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। पाकिस्ता के खिलाफ शैफाली अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाई थीं।

इंडिगो एयरलाइन ने 'कैब्स विद इंडिगो' एयरपोर्ट ट्रांसफर सर्विस लॉन्च की

- सिर्फ 49 रुपये में बुक होगी कैब, एयरपोर्ट ट्रांसफर के साथ आसान यात्रा का भरोसा

(राजधानी चौपाल)

इंडिगो एयरलाइन ने गुरुवार को 'कैब्स विद इंडिगो' नाम से एक नई एयरपोर्ट ट्रांसफर सर्विस लॉन्च की है। यह सर्विस देश के सभी शहरों में उपलब्ध होगी और इंडिगो ब्लूचिप लॉयल्टी प्रोग्राम से जुड़ी होगी। इसके जरिए हवाई सफर करने वाले यात्रियों को 49 रुपये में कैब रिजर्वेशन, 100 फीसदी कन्फर्म राइड, बिना सर्ज प्राइसिंग, फ्री कैंसिलेशन और 30 मिनट फ्री वेटिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी। कंपनी ने कहा कि आसान और बिना किसी परेशानी वाली यात्रा देने के अपने वादे को पूरा करते हुए भारत की पसंदीदा एयरलाइन इंडिगो ने 'कैब्स विद इंडिगो' सर्विस शुरू की है। यह एक खास एयरपोर्ट ट्रांसफर सर्विस है, जिसे भारत के सभी शहरों में एयरपोर्ट तक और वहां से आने-जाने के लिए भरोसेमंद, समय पर और तनाव-मुक्त कनेक्टिविटी देने के लिए बनाया गया है। एयरलाइन के लॉयल्टी प्रोग्राम 'इंडिगो ब्लूचिप' के साथ आसानी से जुड़ी यह सर्विस सदस्यों को 'कैब्स विद इंडिगो' पर खर्च किए गए हर 100 रुपये के लिए 5 'इंडिगो ब्लूचिप' कमाने का मौका देगी, जिससे तेजी से पॉइंट जमा होंगे और पूरी यात्रा एक फायदेमंद अनुभव बनेगी। इंडिगो के चीफ डिजिटल और इन्फॉर्मेशन ऑफिसर नीतन चोपड़ा ने कहा कि इंडिगो में हमारा ध्यान सिर्फ उड़ानें चलाने से कहीं ज्यादा है। हम एक ऐसा आसान और पूरा ट्रैवल इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिस पर हमारे ग्राहक भरोसा कर सकें। उन्होंने कहा कि 'कैब्स विद इंडिगो' की शुरुआत इस विजन को और मजबूत करती है। यह पक्का करती है कि यात्रा का हर चरण, 'घर से एयरपोर्ट और फिर आखिरी मंज़िल तक' आसान, भरोसेमंद और तनाव-मुक्त हो। नीतन चोपड़ा ने कहा कि जैसे-जैसे हम अपनी ट्रैवल सेवाओं को बेहतर बना रहे हैं, यह सर्विस हमारे ग्राहकों को काम की, बिना किसी परेशानी वाली और एक जैसी ट्रैवल सुविधा देने के हमारे वादे को और मज़बूत करती है। 'कैब्स विद इंडिगो' अब इंडिगो की वेबसाइट और मोबाइल ऐप के ज़रिए बुकिंग के लिए उपलब्ध है। इंडिगो ग्राहकों के लिए शुरू से आखिर तक की यात्रा को आसान बनाने पर ध्यान देते हुए एक बेहतर ट्रैवल इकोसिस्टम में लगातार निवेश कर रही है और 'कैब्स विद इंडिगो' का लॉन्च उसी वादे का एक स्वाभाविक विस्तार है। हवाई कनेक्टिविटी देने के अलावा इंडिगो 7 लाख से ज़्यादा ठहरने के विकल्पों और चुने हुए घूमने-फिरने के अनुभवों के लिए होटल बुकिंग की सुविधा भी देती है। नई सर्विस 'कैब्स विद इंडिगो' इस इकोसिस्टम को और बेहतर बनाती है। मोजोबॉक्स द्वारा संचालित 'कैब्स विद इंडिगो' यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए खास तौर पर तैयार की गई सुविधाओं के साथ एक भरोसेमंद और पारदर्शी मोबिलिटी समाधान देती है।

हितेश रमेश चंद्र जोशी ने जीआईसी री के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का पद संभाला

(राजधानी चौपाल)

सार्वजनिक क्षेत्र की पुनर्बीमा कंपनी जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी री) ने बुधवार को हितेश रमेश चंद्र जोशी को अपना नया चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया है। वे 1 अक्टूबर, 2025 से ही अंतरिम तौर पर यह भूमिका निभा रहे थे। कंपनी के मुताबिक हितेश रमेश चंद्र जोशी ने 16 जून को आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया है। वित्त मंत्रालय ने 15 जून को एक पत्र के जरिये हितेश रमेश चंद्र जोशी को चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त करने को मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति सेवानिवृत्ति तिथि 30 सितंबर, 2028 तक अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी। यह पद नारायणन रामास्वामी का दो वर्षीय कार्यकाल पूरा होने के बाद रिक्त हुआ था। हितेश रमेश चंद्र जोशी ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि मैं जीआईसी री की टीम के साथ मिलकर कंपनी की बाजार में अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने, वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने तथा हितधारकों के लिए मूल्य सृजन जारी रखने की दिशा में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

एनएसई ने आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

(राजधानी चौपाल)

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए फंड जुटाने के लिए बुधवार को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ़्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा मसौदा दस्तावेज के मुताबिक एनएसई का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। एनएसई के करीब 30,000 करोड़ रुपये के आकार वाला ये आईपीओ पूरी तरह मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश पर आधारित है, , जिसमें मौजूदा शेयरधारक कुल 14.89 करोड़ शेयर बेचेंगे। इस निर्गम के जरिए शेयरधारक सामूहिक रूप से एनएसई में अपनी करीब छह फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। यह बहुप्रतीक्षित आईपीओ अक्टूबर 2024 में आए हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के निर्गम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकता है। इसमें प्रमुख हिस्सेदारी विक्रेताओं में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) शामिल है, जो अपना 2.48 करोड़ शेयर बेचेगा, जबकि एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड 1.60 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगा। इसके अलावा अन्य प्रमुख विक्रेताओं में कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (1.19 करोड़ शेयर), अरांडा इन्वेस्टमेंट्स (मॉरीशस) प्रा. लिमिटेड (1.12 करोड़ शेयर), बैंक ऑफ बड़ौदा (1.10 करोड़ शेयर) और स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (1.09 करोड़ शेयर) शामिल हैं। हालांकि एनएसई में सबसे अधिक 10.72 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाली बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस निर्गम में कोई शेयर नहीं बेचेगी। एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को प्रस्तावित आईपीओ को मंजूरी दी थी। यह मंजूरी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद दी गई थी। आईपीओ की तैयारी के तहत एनएसई ने 20 मर्चेंट बैंकर के अलावा कानूनी सलाहकारों और अन्य मध्यस्थों की नियुक्ति की है। एनएसई ने पहली बार 2016 में लगभग 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे, लेकिन सेबी ने कामकाज के संचालन और को-लोकेशन मामले से जुड़ी चिंताओं के कारण मंजूरी रोक दी थी। उल्लेखनीय है कि गैर-सूचीबद्ध बाजार में एनएसई का मूल्यांकन पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक आंका जा रहा है। एक्सचेंज के करीब 1.8 लाख शेयरधारक हैं।

शेयर बाजार में शुरुआती गिरावट के बाद तेजी, सेंसेक्स 82.99 अंक उछला

(राजधानी चौपाल)

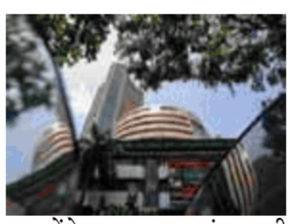

लगातार चार दिनों से चली आ रही शेयर बाजार की तेजी पर अचानक ब्रेक लग गया । हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में सुबह नरम शुरुआत हुई। अमेरिका और ईरान के बीच डील और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में मामूली गिरावट आई। लेकिन, अभी सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी है। फिलहाल, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 82.99 अंक यानी 0.11 फीसदी की उछाल के साथ 77,238.61 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 43.85 अंक यानी 0.18 फीसदी की बढ़त के साथ 24,129.55 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। बाजार में आज उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 111.23 अंक टूटकर 77,044.39 अंक पर और निफ्टी 26.85 अंक की गिरावट के साथ 24,058.85 अंक पर पहुंच गया था। वहीं, रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.71 पर है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 347 अंक की तेजी के साथ 77,156 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 97 अंक की बढ़त के साथ 24,086 पर बंद हुआ था।

केंद्र ने डॉ. सैबल चट्टोपाध्याय को राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग का अध्यक्ष किया नियुक्त

(राजधानी चौपाल) : केंद्र सरकार ने डॉ. सैबल चट्टोपाध्याय को राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। देश की सभी मुख्य सांख्यिकी गतिविधियों के लिए एक नोडल निकाय के रूप में कार्य करने वाले इस आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मंजूरी दे दी है। इनके साथ ही प्रो. शुभ्रता दास, सत्येन्द्र बहादुर सिंह और डॉ. माधवन मुकुंद को आयोग के नए सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। डॉ. स चट्टोपाध्याय इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता के पूर्व निदेशक हैं। उन्होंने अमेरिका के स्टॉर्स स्थित कनेक्टिकट विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में पीएचडी और एमएस की उपाधि प्राप्त की है। प्रोफेसर शुभ्रता दास बैंगलोर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं। उन्होंने चैपल हिल स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना से सांख्यिकी में पीएचडी और एमएस तथा कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान से सांख्यिकी में एम.स्टैट और बी.स्टैट की उपाधि प्राप्त की है। सत्येंद्र बहादुर सिंह भारतीय सांख्यिकी सेवा के 1987 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, जिनका भारत सरकार में तीन दशकों से अधिक की सेवा का करियर रहा है और उन्हें आधिकारिक सांख्यिकी, आर्थिक सांख्यिकी, श्रम और रोजगार सांख्यिकी, नीतिगत सहायता, प्रशिक्षण और प्रशासन में अनुभव है।

टाटा मोटर्स वाणिज्यिक वाहनों की कीमत में एक जुलाई से करेगी 2.5 फीसदी की वृद्धि

(राजधानी चौपाल)

देश की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अब अपने व्यावसायिक वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। नई कीमतें आगामी एक जुलाई से लागू होंगी। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि यह मूल्य वृद्धि उसके सभी वाणिज्यिक वाहनों पर लागू होगी। हालांकि अलग-अलग मॉडल एवं संस्करण के अनुसार बढ़ोतरी की दरें अलग-अलग हो सकती है। टाटा मोटर्स के मुताबिक यह कदम कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और अन्य लागतों के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए उठाया जा रहा है। इससे पहले कंपनी ने पैसेंजर व्हीकल की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया था। टाटा मोटर्स के कार के दाम में यह बढ़ोतरी भी आगामी एक जुलाई से लागू होगी। कंपनी ने बताया था कि उसकी पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक कारों की कीमतों में 1.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि टाटा मोटर्स देश में व्यावसायिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसका पुराना नाम टेल्को था। ये टाटा समूह की प्रमुख कंपनियों में से एक है। इसकी उत्पादन इकाइयां भारत में जमशेदपुर, पुणे और लखनऊ सहित देश के कई शहरों में हैं।

विश्व के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट्स की सूची में अडाणी समूह के दो हवाई अड्डे शामिल

(राजधानी चौपाल)

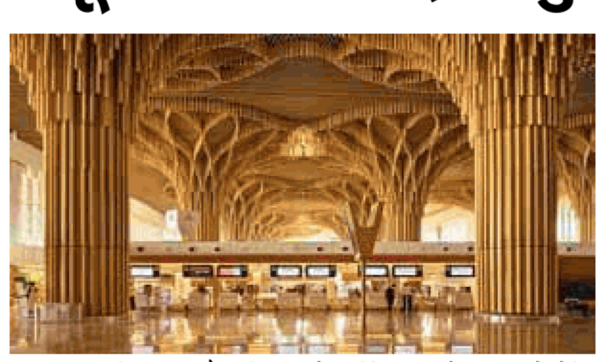

देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की एयरपोर्ट संचालक कंपनी अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) को प्रतिष्ठित 'प्रिक्स वर्साय' आर्किटेक्चर और डिजाइन अवॉर्ड्स में ग्लोबल पहचान मिली है। अडाणी समूह की ओर से संचालित देश के दो हवाई अड्डों को विश्व के सबसे खूबसूरत हवाईअड्डे की सूची में शामिल किया गया है। कंपनी के मुताबिक अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) के नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) और गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एलजीबीआईए) के टर्मिनल 2 को 'प्रिक्स वर्साय' की 'दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट्स' की 2026 की सूची में शामिल किया गया है। एएएचएल ने कहा कि यह सम्मान अगली पीढ़ी के एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर को आकार देने में एएएचएल के बढ़ते प्रभाव को उजागर करता है, जिसमें अत्याधुनिक डिजाइन, सस्टेनेबिलिटी और यात्रियों पर केंद्रित इनोवेशन पर खास ध्यान दिया गया है। 'प्रिक्स वर्साय' वास्तुकला और डिजाइन के क्षेत्र में दिया जाने वाला सालाना वैश्विक पुरस्कार है, जिसे वर्ष 2015 से हर साल पेरिस स्थित यूनेस्को के मुख्यालय में प्रदान किया जाता है। ये पुरस्कार नए शुरू हुए एयरपोर्ट और टर्मिनल को उनके आधुनिक निर्माण के लिए सम्मानित करता है, जो खास आर्किटेक्चर का अनूठा संगम दिखाते हैं। ये दिखाते हैं कि कैसे एयरपोर्ट पारंपरिक डिज़ाइन से आगे बढ़कर दुनिया की एक बेहतर और अधिक सामंजस्यपूर्ण तस्वीर पेश कर रहे हैं। कंपनी के मुताबिक नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 को कमल से प्रेरित खास आर्किटेक्चर, भविष्यवादी डिजाइन और टेक्नोलॉजी, कला एव कार्यक्षमता के बेहतरीन तालमेल के लिए पहचाना गया है। इसने एक ऐसा वर्ल्ड-क्लास गेटवे बनाया है, जो एक आधुनिक ग्लोबल इकोनॉमी के तौर पर भारत की आकांक्षाओं को दर्शाता है। लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 का आर्किटेक्चर 'बैम्बू ऑर्किड' की बायोफिलिक सुंदरता से प्रेरित है। यह एक बहुत ही उपयोगी और सस्टेनेबल ढांचे के ज़रिए इस क्षेत्र की समृद्ध जैव-विविधता का सम्मान करता है। 'प्रिक्स वर्साय' सूची में शामिल अन्य एयरपोर्ट में ग्वांगझू (चीन), फ्रैंकफर्ट एम मेन (जर्मनी), कंडल स्टुएंग (कंबोडिया), पिट्सबर्ग (अमेरिका) और सैन डिएगो (अमेरिका) शामिल हैं। 'प्रिक्स वर्साय' अवॉर्ड्स का मकसद समझदारी भरी सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देना है, जहां संस्कृति पर्यावरण की अवधारणा को आगे बढ़ाती है और उससे भी आगे जाती है। हर साल दिए जाने वाले पुरस्कारों के तहत 2026 की सूची में शामिल तीन एयरपोर्ट या एयरपोर्ट टर्मिनल को 'वर्ल्ड टाइटल' (प्रिक्स वर्साय, इंटीरियर या एक्सटीरियर) भी मिलेगा, जो साल के आखिर में दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अक्टूबर, 2025 को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के पहले चरण का भव्य उद्घाटन किया था। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत विकसित 19,650 करोड़ रुपये की लागत से बना नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण भारत का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का जोर

। ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौता होने की खबर की वजह से ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी और ईरान के बीच समझौता होने के बाद बने उत्साह के माहौल में अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 468.77 अंक यानी 0.92 प्रतिशत बढ़ कर 51,671.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 122.83 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,554.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 795.10 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की छलांग लगा कर 26,683.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,699 के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी ने लगाई छलांग

(राजधानी चौपाल)

घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चेन्नई में सोने के भाव में आज 2,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है। भाव में आई तेजी के कारण देश के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मजबूती आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,65,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,500 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,51,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

केंद्र ने भारत और खाड़ी देशों के बीच गहरे समुद्र में एनर्जी पाइपलाइन से जुड़ी खबरों को किया खारिज

(राजधानी चौपाल)

केंद्र सरकार ने मंगलवार को उन मीडिया रिपोर्टों को ख़ारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि वह गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ने वाली गहरे समुद्र में ऊर्जा पाइपलाइन पर काम कर रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा कि उसने ऐसी कई मीडिया रिपोर्टें देखी हैं, जिनमें कहा गया है कि भारत सरकार गहरे समुद्र में ऊर्जा पाइपलाइन बनाने पर सक्रिय रूप से काम कर रही है, जिसे कभी-कभी 'मिडिल ईस्ट-इंडिया डीपवॉटर पाइपलाइन' (एमईआईडीपी) कहा जाता है और यह पाइपलाइन गुजरात को ओमान और अन्य खाड़ी देशों से जोड़ेगी। मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा कि इस समय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पास ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इस प्रोजेक्ट को लेकर ओमान या किसी अन्य खाड़ी देश के साथ मंत्रालय के किसी भी स्तर पर कोई सक्रिय चर्चा या बातचीत नहीं हो रही है। मंत्रालय ने बयान में कहा, कि यह स्पष्टीकरण इस मामले से जुड़ी सभी अटकलों को खत्म करने के लिए जारी किया गया है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

(राजधानी चौपाल) । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान की स्थिति बनी रही, लेकिन बाद में खरीदारों ने बढ़त बना ली। पहले डेढ़ घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.51 प्रतिशत और निफ्टी 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती डेढ़ घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड, श्रीराम फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, आयशर मोटर्स और इंटर ग्लोब एविएशन के शेयर 0.19 प्रतिशत से लेकर 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, एनटीपीसी, बजाज ऑटो, ओएनजीसी, आईसीआईसीआई बैंक और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 0.08 प्रतिशत से लेकर 0.03 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 3,041 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,294 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 747 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

केंद्र सरकार ने डीजल, एटीएफ निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, नई दरें लागू

(राजधानी चौपाल)

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (विंडफॉल टैक्स) बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल पर मौजूदा कर को बरकरार रखा है। शुल्क में यह बढ़ोतरी 16 जून से लागू हो गई है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार देर रात एक अधिसूचना में बताया कि 16 जून से डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 13.50 रुपये से बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 9.50 रुपये से बढ़ाकर 12.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाली शुल्क दर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह 1.50 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। अधिसूचना में कहा गया है कि शुल्क में बढ़ोतरी 16 जून से लागू होगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने घरेलू ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहल कमार, फोन : 9306813001, e-mail : raidhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)